श्रावण शुक्ल - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 16 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 07-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 तुष्टीकरण से सरकार चलाने वाले आज न घर के रहे, न घाट के : योगी आदित्यनाथ

6 ग्लोबल वॉर्मिंग का परिणाम है बादलों का फटना ?

7 सलमान खान संग बड़े पर्दे पर नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

फर्स्ट टेक

खराब मौसम के कारण केदारनाथ, मध्यमहेश्वर यात्रा पर लगी रोक

रुद्रप्रयाग/भाषा। खराब मौसम के मद्देनजर केदारनाथ और मध्यमहेश्वर की यात्रा पर अगले 48 घंटे के लिए रोक लगा दी गयी है। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, सात और आठ अगस्त को केदारनाथ और मध्यमहेश्वर की यात्रा पर रोक रहेगी। लगातार बारिश के चलते दोनों मंदिरों को जाने वाले पैदल रास्तों के क्षतिग्रस्त होने तथा मार्ग पर भूस्खलन की आशंका के कारण श्रद्धालुओं तथा अन्य लोगों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

झारखंड में वनक्षेत्र से 44 आईईडी बरामद किए गए

सरायकेला/भाषा। झारखंड में सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिलों की सीमा पर एक वन क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षाबलों ने 44 आईईडी बरामद किए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने एक बयान में कहा कि बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही इन आईईडी को निष्क्रिय कर दिया।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, मौलवी गिरफ्तार

बेलगावी/भाषा। कर्नाटक के बेलगावी में एक मस्जिद के अंदर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोप में 22 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह कथित घटना पांच अक्टूबर, 2023 को हुई थी, लेकिन पांच अगस्त, 2025 को एक दक्षिणपंथी कार्यकर्ता ने सोशल मीडिया पर इसके बारे में पोस्ट की, जिसके बाद मामला सामने आया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बेलगावी पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी इकाई ने कार्यकर्ता की पोस्ट देखी और जांच शुरू की। पुलिस ने लड़की के माता-पिता का पता लगा लिया, जिन्होंने घटना की पुष्टि की।

सांसद की चेन छीनने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को चाणक्यपुरी स्थित तमिलनाडु भवन के पास प्रदेश की सांसद आर. सुधा की 30 ग्राम वजनी सोने की चेन छीनने के आरोप में 24 वर्षीय एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। सुधा तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद हैं। वह सोमवार को तमिलनाडु भवन के पास सुबह की सैर पर निकली थीं, तभी एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने उनकी सोने की चेन छीन ली थी और इस दौरान उनके कपड़े भी फट गए थे। इस घटना में सांसद को मामूली चोट आई थी।

07-08-2025 सूर्यास्त 6:33 बजे | 08-08-2025 सूर्योदय 5:55 बजे

BSE	NSE
80,543.99	24,574.20
(-166.26)	(-75.35)

सोना	चांदी
10,345 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ सोचें नया

छोड़ें बीते कल की बातें,
हम लिखें नया इतिहास आज।
सबसे पहले हो राष्ट्रधर्म,
हों जाति मुक्त सारे समाज।
हो राजनीति भी दल विहीन,
गुणियों-सद्यों को मिले राज।
हर मन में हो सौहार्दभाव,
हर योग्य व्यक्ति को मिले काज।।

विकसित भारत की नीतियों और दिशा का मार्गदर्शन करेगा कर्तव्य भवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'कर्तव्य भवन' का उद्घाटन किया, जो प्रस्तावित दस साझा केंद्रीय सचिवालय भवनों में से पहला है।

■ सरकार कर्तव्य भवन का इस्तेमाल देश को गरीबी से मुक्ति दिलाने में मदद के लिए करेगी और विकसित भारत के दृष्टिकोण को भी साकार करेगी : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार देशभर में बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार के लिए समग्र दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में एक ऐसा शासन मॉडल देखा है जो पारदर्शी, संवेदनशील और नागरिक-केंद्रित है।

कर्तव्य भवन का उद्घाटन करने के कुछ घंटों बाद कर्तव्य पथ पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह परियोजना अन्य बुनियादी सुविधाओं के साथ भारत के वैश्विक दृष्टिकोण का प्रतीक है। कर्तव्य भवन प्रस्तावित दस साझा केंद्रीय सचिवालय भवनों में से पहला है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन विकसित भारत की नीतियों और दिशा का मार्गदर्शन करेगा तथा देश के लिए महत्वपूर्ण निर्णय यहीं से लिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार कर्तव्य भवन का इस्तेमाल देश को गरीबी से मुक्ति दिलाने में मदद के लिए करेगी और विकसित भारत के दृष्टिकोण को भी साकार करेगी। उन्होंने कहा कि कर्तव्य सिर्फ एक इमारत का नाम नहीं है, यह लाखों देशवासियों के सपनों को साकार करने की पवित्र भूमि है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आगामी केंद्रीय सचिवालय भवन के पहले भवन के उद्घाटन के कुछ ही घंटों बाद, कर्तव्य पथ पर आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कर्तव्य भवन के निर्माण में लगे निर्माण श्रमिक भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्तव्य भवन राष्ट्र के सपनों को पूरा करने के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि साझा केंद्रीय सचिवालय के 10 भवनों के निर्माण के बाद केंद्र सरकार को सालाना 1,500 करोड़ रुपये का किराया बचेगा। उन्होंने कहा कि दशकों तक सरकार की प्रशासनिक मशीनरी ब्रिटिशकालीन इमारतों से कार्य करती रही, जहां काम करने की स्थिति खराब थी और जगह, रोशनी और हवा आने-जाने की कमी थी। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत की सफलता की गाथा लिखने के लिए मिलकर काम करना होगा। हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम अपनी और देश की उत्पादकता बढ़ाएं।

मोदी ने कहा कि यह आत्मनिरीक्षण का भी क्षण है, क्योंकि भारत उस गति से विकास नहीं कर सका जिस गति से कई अन्य देश, जिन्हें उसी समय स्वतंत्रता मिली, आगे बढ़े। उन्होंने कहा, यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम वर्तमान समस्याओं को आने वाली पीढ़ियों के लिए न छोड़ें। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने एक ऐसा शासन मॉडल तैयार किया है जो पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित है।

कर्तव्य भवन-तीन इमारत में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के दफ्तर और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय होगा।

रूसी तेल की खरीद पर

ट्रंप ने भारतीय आयात पर शुल्क दोगुना कर 50 प्रतिशत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/ नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को रूस से तेल खरीद जारी रखने पर भारत से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए।

इसके साथ ही भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में लगने वाला शुल्क अब बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। इस कदम से कपड़ा, समुद्री उत्पाद और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंका है।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह ही 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने इस शुल्क के लागू होने से चंद घंटे पहले अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। इस आदेश के बाद कुछ रियायत प्राप्त वस्तुओं को छोड़कर भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा।

आदेश में कहा गया है, ''मूल्य के अनुरूप लगाया गया शुल्क... ऐसे आयातों पर लागू किसी भी अन्य शुल्क, फीस, कर, वसूली और प्रभार के अतिरिक्त होगा।'' प्रारंभिक शुल्क सात अगस्त से प्रभावी होगा जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिन बाद लागू होगा।

भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाना अनुचित और अन्यायपूर्ण : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाने के अमेरिका के कदम को बुधवार को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकपूर्ण करार दिया। नई दिल्ली की यह तीखी प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ देर बाद आई, जिसके तहत पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत के रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने का हवाला देते हुए भारतीय वस्तुओं पर नया शुल्क लगाने की बात कही गई है। इससे मॉस्को के साथ नई दिल्ली के ऊर्जा संबंधों को लेकर दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच तनाव बढ़ने के संकेत मिलते हैं। नया शुल्क ट्रंप प्रशासन की ओर से पहले घोषित 25 फीसदी 'टैरिफ' के अतिरिक्त है। ट्रंप के इस आदेश के बाद कुछ छूट प्राप्त वस्तुओं को छोड़कर, भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

ट्रंप का 50 प्रतिशत टैरिफ आर्थिक ब्लैकमेल : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर कुल 50 प्रतिशत का शुल्क लगाए जाने की घोषणा के बाद बुधवार को कहा कि यह आर्थिक ब्लैकमेल है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी कमजोरी भारतीय हितों पर हावी नहीं होने देना चाहिए।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा

वैश्विक वृद्धि में अमेरिका से कहीं अधिक भारत का योगदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 'बहुत अच्छा' प्रदर्शन कर रही है और वैश्विक वृद्धि में अमेरिका से कहीं अधिक योगदान दे रही है।

मल्होत्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वर्ष 2025 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि वैश्विक वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान है। मल्होत्रा ने यहां द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, हम वैश्विक वृद्धि में करीब 18 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं, जो करीब 11 प्रतिशत योगदान देने वाले अमेरिका से कहीं अधिक है।

आरबीआई ने रेपो दर यथावत रखी

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं, नीतिगत दरों में एकबारगी बड़ी कटौती और मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारण केंद्रीय बैंक ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया है।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में मल्होत्रा ने वृद्धि को समर्थन देने के लिए आरबीआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि अपेक्षा से धीमी है।

मुनीर के राष्ट्रपति बनने की अटकलें निराधार : पाकिस्तानी सेना

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तानी सेना ने उन अटकलों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है कि सेना प्रमुख असीम मुनीर अगले राष्ट्रपति बनने की योजना बना रहे हैं। सेना की यह प्रतिक्रिया ऐसे वक्त आई है, जब पिछले कुछ हफ्तों में सोशल मीडिया पर अटकलें लगाई जा रही थीं कि मुनीर राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की जगह लेने की योजना बना रहे हैं। सरकारी 'पीटीवी' ने बुधवार को सोशल मीडिया पर सेना प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी के पत्रिका 'द इकोनॉमिस्ट' को दिए साक्षात्कार को पोस्ट किया। इसमें चौधरी ने स्पष्ट किया कि सेना प्रमुख मुनीर की राष्ट्रपति पद में कोई रुचि नहीं है और ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने कहा, फ़ील्ड मार्शल असीम मुनीर के पाकिस्तान के राष्ट्रपति बनने की बातें पूरी तरह से निराधार हैं।

पाकिस्तान और चीन के भाड़े के सैनिक यूक्रेन में रूसी सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं : जेलेंस्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/इस्लामाबाद/भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि पाकिस्तान और चीन के भाड़े के सैनिक उत्तर-पूर्वी यूक्रेन के वोवचांस्क क्षेत्र में रूसी सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा मैं वोवचांस्क में हमारे देश की रक्षा करने वालों के साथ था। हमने कमांडरों से अग्रिम मोर्चे की स्थिति, वोवचांस्क की रक्षा और युद्ध की गतिशीलता के बारे में बात की। हमने ड्रोन की आपूर्ति और तैनाती, भर्ती और ब्रिगेड के लिए प्रत्यक्ष वित्तपोषण के मुद्दों पर भी विशेष रूप से चर्चा की।

इस क्षेत्र में हमारे योद्धा युद्ध में चीन, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ़्रीकी देशों के भाड़े के सैनिकों की भागीदारी की रिपोर्ट कर रहे हैं।

आज तक यूक्रेनी अधिकारियों ने पाकिस्तान से औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया है और न ही ऐसे दावों को पुष्ट करने के लिए कोई सत्यापन योग्य सबूत पेश किया है।

पाकिस्तान ने यूक्रेनी राष्ट्रपति के खुलासे को 'निराधार और बेबुनियाद' बताया

''इस बीच पाकिस्तान ने यूक्रेनी राष्ट्रपति के खुलासे को 'निराधार और बेबुनियाद' बताया और कहा कि वे इस मामले को यूक्रेनी सरकार के समक्ष उठाएंगे और स्पष्टीकरण मांगेंगे।'' पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है, 'पाकिस्तान सरकार यूक्रेन में संघर्ष में पाकिस्तानी नागरिकों की संलिप्तता के निराधार और बेबुनियाद आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है।

प्राकृतिक रूप से दिया हुआ दान सर्वश्रेष्ठ : साध्वी मयूरयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने कहा कि चार प्रकार की वृत्ति हमें दान देने से रोकती है, पहली स्वार्थवृति यानी मैं, मेरा पैसा और मेरी संपत्ति। दूसरी संग्रह वृति अर्थात इकट्ठा करने की भावना रखने वाला व्यक्ति भी दान नहीं देता है, तीसरी स्पर्धा वृत्ति यानी मेरे से आगे कोई नहीं बढ़े, इस भावना से भी व्यक्ति दान नहीं देता है और चौथी सुरक्षा वृत्ति मतलब इस वृत्ति वाला व्यक्ति भी भविष्य के लिए बचाने के चक्कर में दान नहीं देता है।

जिस तरह प्राकृतिक रूप से सूरज रोशनी देता है, वृक्ष हमें फल, फूल, छाया देते है, बादल बरसात द्वारा पानी का दान करता हैं वह प्रकृति दान होता है। संतों की प्रेरणा से दिया जाने वाला दान प्रेरणा दान और किसी के कहने से शर्मिंदा न होना पड़े उससे बचने के लिए दिया जाने वाला दान शर्म दान होता है। शांत सुधारस ग्रंथ के अंतर्गत अन्यत्व भावना की भाव बात करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि हमारा यह शरीर अपना नहीं है, पराया है।

सरल हृदय में ही धर्म का निवास होता है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनि जी कहा कि अंहकार मुक्ति में बाधक तत्व है। साधक जीवन के विकास में सबसे पहला रोड़ा, अवरोधक है, वह है व्यक्ति का अहंकार्। जो हमेशा उसे जीवन विकास के क्षेत्र में, आध्यात्मिक उन्नति विकास के पथ पर आगे बढ़ने से रोकता है। यह अंहकार ही है जो अपनी आत्मा को उसके मूल स्वभाव में स्थिर रखने से रोकता है। उन्होंने कहा कि मान व अहंकार आत्मा के शत्रु है। मान विनय गुण का नाश करता है। मान को सरलता के गुण से जीता जा सकता है। मान, अहंकार साधक को आत्मा के उच्चतम शिखर पर जाने से भटकाता है। सरल, विनम्र भावों से आत्म शुद्धि होती है। उन्होंने कहा कि मानव को अपने स्वभाव को सरल बनाना चाहिए्। सरल हृदय में ही धर्म का निवास होता है। श्री शालिभद्रमुनि जी ने संसार की नश्वरता और मानव जीवन की क्षणभंगुरता को प्रकट करने वाली एक भावपूर्ण रचना के माध्यम से कहा कि हमें अपने समय का सदुपयोग धर्म, सेवा, परोपकार के कार्यो में करके मानव जीवन को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए्।

प्रारंभ में डॉ मेघाश्री जी ने कहा कि इच्छा आकाश के समान अनन्त है। संतोष गुण अपनाकर इच्छाओं पर नियंत्रण, विजय प्राप्त की जा सकती है। साध्वी श्री ने चार प्रकार के गड्ढे समुद्र का, श्मशान का, पेट का और तृष्णा के गड्ढे पर चर्चा करते हुए कहा कि तृष्णा सभी दुखों का मूल है। आसक्ति को हटाने पर ही सच्चे आत्मिक सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री महावीर चन्द मेहता ने किया।

भ्रष्टाचार रोधी कानून ईमानदार अधिकारियों को बचाता है, बेईमानों को दंडित करता हैः केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि भ्रष्टाचार के मामलों में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए पूर्व मंजूरी अनिवार्य करने संबंधी भ्रष्टाचार रोधी कानून का प्रावधान ''निर्भीक शासन'' उपलब्ध कराने का प्रयास है।

सरकार ने न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ को सूचित किया कि ''निर्भीक सुशासन'' भी ''किसी संवैधानिक शासन का एक मूलभूत हिस्सा'' है। इसके बाद, पीठ ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस धारा के तहत, भ्रष्टाचार के मामलों में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए पूर्व मंजूरी लेना अनिवार्य है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, (धारा) 17ए, जिस तरह से प्रस्तुत किया गया है, वह निर्भीक शासन सुनिश्चित करने का विधायिका का एक और प्रयास है ताकि ईमानदार अधिकारियों को दंडित न किया जाए और बेईमान अधिकारी बच न सकें।

पीठ ने 2018 में अधिनियम की संशोधित धारा 17ए के लागू होने के बाद से प्राप्त भ्रष्टाचार की शिकायतों की संख्या के बारे में जानकारी मांगी।

मेहता ने कहा कि वह सीबीआई को प्राप्त शिकायतों के आंकड़े दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि 60 प्रतिशत शिकायतों को मंजूरी दे दी गई।

क्या बादल फटने से उत्तरकाशी में आई बाढ़?

बारिश के आंकड़े इस दावे का समर्थन नहीं करते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में मंगलवार को अचानक आई बाढ़ के लिए खीर गंगा नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने की घटना को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि मंगलवार को उत्तरकाशी जिले में हुई बारिश की मात्रा इतनी नहीं थी कि उसे बादल फटने की श्रेणी में रखा जा सके।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारे पास उपलब्ध आंकड़े बादल फटने की घटना की ओर इशारा नहीं करते। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी में मंगलवार को 27 मिलीमीटर बारिश हुई, जो कि बादल फटने की घटना या इतनी विनाशकारी बाढ़ के लिहाज से बहुत कम है। यह पूछे जाने पर कि धराली में अचानक आई बाढ़ के लिए अगर बादल फटना जिम्मेदार नहीं है, तो इसके पीछे और क्या कारण हो सकता है, थपलियाल ने कहा कि यह अध्ययन का विषय है। उन्होंने कहा, विस्तृत अध्ययन के बाद ही इस बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकता है कि अचानक आई बाढ़ के पीछे कारण क्या था। थपलियाल ने कहा, मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि मौसम विभाग के पास उपलब्ध आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि बादल फटने की कोई घटना नहीं हुई। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में शामिल बादल फटने की घटना में बेहद कम समय में सीमित इलाके में भारी मात्रा में बारिश होती है।

आईएमडी के मुताबिक, बादल फटने की घटना से आशय 20 से 30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेज हवाओं और आकाशीय बिजली चमकने के बीच 100 मिलीमीटर प्रति घंटे से अधिक की दर से बारिश होने से है। हालांकि, 2023 में प्रकाशित एक शोध पत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जम्मू और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच) रुड़की के शोधकर्ताओं ने बादल फटने की घटना को एक छोटी-सी अवधि में 100-250 मिलीमीटर प्रति घंटे की दर से अचानक होने वाली बारिश के रूप में परिभाषित किया है, जो एक वर्ग किलोमीटर के छोटे-से दायरे में दर्ज की जाती है। बात सिर्फ बारिश की मात्रा की नहीं है। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के पूर्व वैज्ञानिक डीपी डोभाल ने कहा कि इतनी ऊंचाई पर बादल फटने की घटना की आशंका बहुत कम है। डोभाल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जिस ऊंचाई से कीचड़ और मलबा ढलानों से नीचे आया, वह अल्पाइन क्षेत्र में आती है, जहां बादल फटने की आशंका बेहद कम है। उन्होंने कहा, सबसे अधिक संभावना इस बात की है कि बर्फ का कोई विशाल टुकड़ा या बड़ी चट्टान गिरी होगी या फिर भीषण भूस्खलन हुआ होगा, जिससे हिमोढ़ (हिमनद द्वारा बहाकर लाए गए मलबे का जमाव) इकट्ठा हो गया और क्षेत्र में अचानक बाढ़ आ गई।

हालांकि, डोभाल ने कहा कि आपदा का सटीक कारण तभी पता चलेगा, जब धराली में मची तबाही से जुड़े उपग्रह चित्रों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, उत्तरकाशी आपदा के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से उपग्रह चित्र मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र ने इस संबंध में इसरो को एक अनुरोध पत्र भेजा है।

'जर्नल ऑफ जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया' में पिछले महीने प्रकाशित एक अध्ययन उत्तराखंड में 2010 के बाद अत्यधिक वर्षा और सतह पर जल प्रवाह की घटनाओं में भारी वृद्धि की पुष्टि करता है।

उत्तरकाशी आपदाः मुख्यमंत्री धामी बाढ़ प्रभावित धराली पहुंचे, प्रभावित परिवारों से मुलाकात की

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तरकाशी के धराली गांव का दौरा कर वहां जारी राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। धराली में मंगलवार को बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही मची है। धराली की यात्रा के दौरान धामी ने आपदा से प्रभावित परिवारों से भी मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, धराली (उत्तरकाशी) में आपदा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और संकट की इस घड़ी में उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस आपदा ने कई परिवारों को बहुत दुख पहुंचाया है, हम उनका दर्द समझते हैं। हमारी सरकार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। धामी ने लिखा, आपदा प्रबंधन और राहत कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकता हर लापता व्यक्ति की तलाश करना और प्रभावित परिवारों को पूरी सहायता प्रदान करना है। धराली पहुंचने से पहले धामी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और उत्तरकाशी स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष से बचाव कार्यों की समीक्षा की। बुधवार को बाढ़ प्रभावित धराली से एक शव बरामद किया गया और 150 लोगों को बचाया गया। लगातार बारिश सहित कई बड़ी चुनौतियों के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है। लापता लोगों में केरल से 28 पर्यटकों का एक समूह भी शामिल है।

हथिनी माधुरी को वापस लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार की याचिका का समर्थन करेगा वनतारा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि जामनगर स्थित पशु पुनर्वास केंद्र वनतारा, हथिनी माधुरी को कोल्हापुर के एक मठ में वापस भेजने की मांग संबंधी राज्य सरकार की याचिका का उच्चतम न्यायालय में समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि कोल्हापुर जिले के नंदनी स्थित मठ के पास हथिनी के लिए एक बचाव केंद्र स्थापित किया जाएगा।

फडणवीस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज मुंबई में वनतारा टीम के साथ मेरी विस्तृत चर्चा हुई। अच्छी खबर यह है कि उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वे हथिनी माधुरी को मठ में वापस लाने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय में महाराष्ट्र सरकार की याचिका में शामिल होने को इच्छुक हैं।

यह हथिनी 36 साल की है, जो तीन दशक से अधिक समय से नंदनी स्थित श्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी जैन मठ में थी। उसे पिछले सप्ताह अदालत के फैसले के बाद वनतारा के जामनगर पुनर्वास केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसके बाद विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए।

रविवार को कोल्हापुर में हजारों लोगों ने एक मौन मार्च निकाला और माधुरी (जिसे महादेवी भी कहा जाता है) को वापस लाने की मांग की। वहीं, वनतारा ने कहा कि उसने हथिनी को अपने केंद्र में स्थानांतरित करने का अनुरोध नहीं किया था, बल्कि उसने केवल ''अदालत द्वारा नियुक्त प्राप्तकर्ता'' के रूप में कार्य किया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने पोस्ट में यह भी बताया कि वनतारा टीम नंदनी के निकट हथिनी के लिए एक पुनर्वास केंद्र बनाने के लिए तैयार है।

बाद में, धर्म गुरु रणगिरी महाराज द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लेने के बाद छत्रपति संभाजीनगर के वैजापुर में पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि हथिनी के लिए एक बचाव केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त उच्चस्तरीय समिति द्वारा अनुशंसित सुविधाएं होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने वनतारा के लोगों से भी बात की है और इस पर उनका समर्थन मांगा है। उन्होंने इस पर सहमति जताई है।

माधुरी के बिगड़ते स्वास्थ्य के बारे में एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा वन विभाग और उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति से शिकायत जाने के बाद, मुंबई उच्च न्यायालय ने 16 जुलाई को माधुरी को वनतारा के केंद्र में पुनर्वासित करने का आदेश दिया था।

मठ ने इसे चुनौती दी थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने 25 जुलाई को उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस महीने के अंत में चीन के दौरे की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सात वर्षों के अंतराल के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस महीने के अंत में चीन की यात्रा कर सकते हैं। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। योजना के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त के आसपास जापान की यात्रा पर जाएंगे और यात्रा के समापन के बाद, वह 31 अगस्त से एक सितंबर तक आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीन के उत्तरी शहर तियानजिन जाएंगे।

मोदी की चीन यात्रा की योजना दोनों पक्षों द्वारा अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयासों के बीच बनाई जा रही है। जून 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच घातक झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया था। मोदी की जापान और चीन की यात्रा की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह यात्रा 29 अगस्त से एक सितंबर तक होने की संभावना है। मोदी ने आखिरी बार जून 2018 में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा किया था। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अक्टूबर 2019 में दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे।

हालांकि, पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध के कारण दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ और उसी वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई झड़पों के परिणामस्वरूप संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया। पिछले साल 21 अक्टूबर को हुए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया।

देश में 7.80 लाख करोड़ रु. की लागत से 1,240 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा को सूचित किया कि देश में 7.80 लाख करोड़ रुपए की लागत से 29,406 किलोमीटर लंबी 1,240 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनमें आकांक्षी जिलों को संपर्क प्रदान करने वाली राजमार्ग परियोजनाएं भी शामिल हैं। गडकरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी आकांक्षी जिले राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़े हुए हैं और आकांक्षी जिलों को संपर्क (कनेक्टिविटी) प्रदान करने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों सहित विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गो का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है। गडकरी ने कहा कि सरकार ने विगत तीन वर्ष और चालू वर्ष के दौरान आकांक्षी जिलों को जोड़ने के लिए 4,493 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। उन्होंने कहा, वर्तमान में, देश में 7.80 लाख करोड़ रुपए की लागत से 29,406 किलोमीटर लंबाई वाली 1,240 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, जिनमें आकांक्षी जिलों को संपर्क प्रदान करने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं भी शामिल हैं।

संसद में गतिरोध बरकरार, सरकार का एसआईआर पर चर्चा से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पिछले कई दिनों की तरह बुधवार को भी संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बरकरार रहा, वहीं सरकार ने नियमों का हवाला देते हुए दो टूक कहा कि अदालत में विचाराधीन मामलों पर सदन में चर्चा नहीं कराई जा सकती।

विपक्ष ने गतिरोध खत्म करने के लिए बीच का रास्ता सुझाते हुए सरकार को संदेश दिया है कि एसआईआर के बजाय चुनाव सुधारों पर चर्चा कराई जा सकती है, हालांकि सरकारी सूत्रों का कहना है कि चुनाव सुधारों पर भी चर्चा की संभावना नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपसभापति हरिवंश को पत्र लिखकर आग्रह किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की अनुमति दी जाए क्योंकि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए बुनियादी महत्व से जुड़ा विषय है। उपसभापति को लिखे अपने पत्र में खरगे ने कहा कि 21 जुलाई, 2023 को राज्यसभा के तत्कालीन सभापति धनखड़ ने व्यवस्था दी थी, ...यह सदन एक दायरे में रहकर दुनिया की हर चीज़ पर चर्चा कर सकता है...।

विपक्षी दलों ने एसआईआर के मुद्दे को बुधवार को दोनों सदनों में पुरजोर ढंग से उठाया और संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत में निर्वाचन आयोग की इस कवायद को वोटों की ''डकैती'' करार दिया और कहा कि इस विषय पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा कराना देशहित के लिए जरूरी है।

खरगे ने विपक्ष के कई नेताओं के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराने के लिए तैयार नहीं होती तो समझा जाएगा कि वह लोकतंत्र और संविधान में विश्वास नहीं करती है। उनका कहना था कि एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर समूचा विपक्ष एकजुट है।

खरगे ने कहा, सभी विपक्षी पार्टियां एसआईआर पर चर्चा चाहती हैं। सभी पार्टियों ने लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा के उप सभापति और सरकार से बार-बार कहा है कि 'वोट चोरी' पर चर्चा की जाए। मौजूदा सरकार को जहां समझ आता है, वहां वे वोट बढ़ा लेती है और अब वो बिहार में वोट काट रही है।

उन्होंने कहा, हमें एसआईआर पर चर्चा करने का मौका मिलना चाहिए, ताकि जहां गड़बड़ी हुई है, असंवैधानिक तरीके से काम किया जा रहा है, उस बारे में बात हो और लोगों के अधिकार सुरक्षित हो सकें। उन्होंने दावा किया, अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों, मनरेगा कामगारों के नाम मतदाता सूची से कट रहे हैं। जो गरीबों का हक छीनना चाहते हैं, वो चोर ही हो सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने लोकसभा में कहा कि एसआईआर का मुद्दा उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और लोकसभा के कार्य संचालन और प्रक्रियाओं के नियमों एवं परिपाटी के तहत इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। रीजीजू ने एसआईआर के मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा करने के लिए तैयार है और समय-समय पर यह आश्वासन भी देती रही है, लेकिन संसद में किसी भी विषय पर चर्चा संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप होनी चाहिए और सदन के कार्य संचालन और प्रक्रिया के नियमों के तहत होनी चाहिए।

मंत्री ने कहा कि विपक्ष जो विषय उठाने का प्रयास कर रहा है वह स्पष्ट रूप से अदालत में विचाराधीन है, इसलिए इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती।

हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म
03-07-1949

स्वर्गवास
30-07-2025

स्व. श्री रामसिंह चारण

सुपुत्र स्व. मगदानजी लाखावत

भूतपूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक
श्री तमिलनाडू चारण समाज चेन्नई

श्रद्धानवत

राजेन्द्र रतनू,(IAS) शासन सचिव
गोरूदान सांदू पूर्व अध्यक्ष, श्री तमिलनाडू चारण समाज चेन्नई
हिंगलाजदान चारण आकली, युवा अध्यक्ष श्री अखिल भारतीय चारण-गढ़वी महासभा तमिलनाडू
रामसिंह नागसी, अध्यक्ष श्री तमिलनाडु चारण समाज चेन्नई
करणसिंह लाखावत, कोषाध्यक्ष श्री तमिलनाडू चारण समाज चेन्नई
लक्ष्मणसिंह लाखावत, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री तमिलनाडू चारण समाज चेन्नई
बाबूसिंह लाखावत, पूर्व सचिव श्री तमिलनाडू चारण समाज चेन्नई

रेवंत रेड्डी का प्रदर्शन पिछड़े वर्गों के लिए नहीं बल्कि मुस्लिम आरक्षण के लिए है : कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के नेता बंडी संजय कुमार ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार पिछड़े वर्गों के नाम पर सभी मुसलमानों को आरक्षण देने की अपनी मंशा को लेकर आगे बढ़ी है। उन्होंने इसी के साथ संबंधित दो विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी की मांग को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की।

रेड्डी ने राज्य विधानमंडल द्वारा मार्च में पारित पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण विधेयक पर राष्ट्रपति की मंजूरी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार विधेयकों को रोक रही है क्योंकि वह ''ओबीसी विरोधी'' है। संजय कुमार ने मुख्यमंत्री के आरोपों पर पलटवार करते हुए दावा किया कि कांग्रेस का प्रदर्शन पिछड़े वर्गों के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ मुसलमानों के लिए ''पूर्ण आरक्षण'' की मांग को लेकर था। उन्होंने धर्म-आधारित आरक्षण को एक ''जहरीला पेड़'' बताते हुए कहा कि ''अगर इसे तेलंगाना में जड़ से नहीं उखाड़ा गया तो यह पूरे देश में फैल जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने ही 'पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र' से विश्वासघात किया है और अब वोट बैंक की राजनीति के लिए ''मुस्लिम घोषणापत्र'' लागू कर रही है, जो पिछड़े वर्गों के खिलाफ है। पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

फिलिपीन का प्रतिनिधिमंडल भारत से खाद्य आयात बढ़ाने पर सहमतः आईआरईएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फिलिपीन के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख भारतीय खाद्य उत्पादों के आयात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा और भारतीय चावल निर्यातक महासंघ के साथ चर्चा की है। उद्योग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारतीय चावल निर्यातक महासंघ के अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने बयान में कहा कि इस समझौते में फिलिपीन की ओर से भारत से चावल, भैंस के मांस, सब्जियों, फलों और मूंगफली जैसी आवश्यक वस्तुओं के आयात को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता शामिल है। फिलिपीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कृषि सचिव फ्रांसिस्को पी. तियु लारेल जूनियर ने किया।

आईआरईएफ ने कहा कि भारतीय चावल निर्यातक महासंघ की उपस्थिति में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कृषि संबंधों को मजबूत करना और आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाना था। इस प्रमुख निकाय ने कहा, इस कदम का उद्देश्य चीनी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और मजबूत द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

तमिलनाडु

तिरुप्पुर में विवाद सुलझाने की कोशिश के दौरान पुलिस के विशेष उप निरीक्षक की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुप्पुर (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले के गुडिमंगलम में एक व्यक्ति और उसके बेटे के बीच हुए विवाद को सुलझाने पहुंचे विशेष उप निरीक्षक (एसएसआई) की गला काट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार तिरुप्पुर जिले के गुडिमंगलम पुलिस थाना में विशेष उपनिरीक्षक एम. षणमुगावेल (57) और आर्म्ड रिजर्व पुलिस के कांस्टेबल अजगुराजा पांच अगस्त को गश्त पर थे। रात करीब 11 बजे एक खेत पर नशे में दो व्यक्तियों के बीच झगड़े की सूचना पर दोनों पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने कहा कि घटनास्थल पर पहुंचने के बाद उन्होंने मामले को शांत करने का प्रयास किया। इसी दौरान उनमें से एक व्यक्ति ने अचानक हंसिया से षणमुगावेल पर हमला कर दिया और पीछा कर कांस्टेबल को भी वहां से भगा दिया।

पश्चिम क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) टी सेंथिल कुमार के अनुसार परिवार में विवाद था और गश्त पर मौजूद एसएसआई षणमुगावेल एवं कांस्टेबल अज़गुराजा झगड़ा शांत कराने के लिए उदुमलपेट के पास स्थित खेत पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई कि मणिगंदन ने एसएसआई को गंभीर चोटें पहुंचाई, लेकिन उसके भाई थंगापांडियन और उनके पिता मूर्ति भी उन पर हमला करने और कांस्टेबल को भगाने में शामिल थे।

षणमुगावेल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कांस्टेबल अपनी जान बचा मौके से भागने में सफल रहा। आईजीपी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मूर्ति का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए पुलिस की छह विशेष टीमों का गठन किया गया है। मूर्ति और उसके दोनों बेटों के खिलाफ दो आपराधिक मामले लंबित हैं। मणिगंदन और थंगापंडी के खिलाफ चार-चार मामले लंबित हैं। आरोपियों ने भागने से पहले पुलिस जीप को क्षतिग्रस्त कर दिया।

गुडिमंगलम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

एसएसआई की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि विशेष उपनिरीक्षक की मौत तमिलनाडु पुलिस और उनके परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा, मैंने पुलिस को इस जघन्य कृत्य में शामिल दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। मैंने षणमुगावेल के परिवार को एक करोड़ रुपए की राहत राशि देने का आदेश दिया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के विधायक सी महेंद्रन के खेत में यह वारदात हुई। महेंद्रन ने कहा कि खेत का प्रबंधन उनके प्रबंधक द्वारा किया जा रहा था।

महेंद्रन ने संवाददाताओं से कहा, उस व्यक्ति (मूर्ति) को प्रबंधक द्वारा नियुक्त किया गया था। मुझे खेत का दौरा किए हुए काफी समय हो गया है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ईमानदार पुलिस अधिकारी की जान चली गई।

महेंद्रन ने पहले एसएसआई के घर का दौरा किया और उनके परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि सरकार को षणमुगावेल के बेटे को नौकरी प्रदान करनी चाहिए।

घटना के बारे में पूछे जाने पर महेंद्रन ने कहा, मूर्ति को एक साल पहले ही नियुक्त किया गया है। हम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। फिलहाल, प्रभावित परिवार को हमारे समर्थन की जरूरत है।

घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने सवाल किया कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था की स्थिति किस ओर जा रही है।

पलानीस्वामी ने पूछा, ऐसी खबरें हैं कि तिरुप्पूर जिले में एक पारिवारिक विवाद की जांच करने गए एसएसआई की हत्या कर दी गई और एक व्यक्ति ने कथित तौर पर कोयंबटूर पुलिस थाने में एक एसआई के कक्ष में आत्महत्या कर ली। इन घटनाओं पर मुख्यमंत्री का क्या कहना है?

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूछा, संघर्ष स्थल पर गई पुलिस के पास सुरक्षा नहीं थी और कहीं और किसी ने इतनी लापरवाही की कि एक आदमी ने पुलिस स्टेशन में खुद को फांसी लगा ली। हम इसे कैसे देखेंगे? उन्होंने मुख्यमंत्री पर मामले को दूसरी ओर मोड़ने का आरोप लगाया और राज्य सरकार से दोनों मामलों की उचित जांच करने और दोषियों पर उचित कार्रवाई करने का आह्वान किया।

पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) नेता डॉ. अंबुमणि रामदास ने भी इस जघन्य कृत्य की निंदा की।

तमिलनाडु की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 11.19 प्रतिशत हुईः स्टालिन

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि शासन में 'द्रविड़ मॉडल' की अपनाने वाले राज्य की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 11.19 प्रतिशत हो गई है, जो एक नया रिकॉर्ड है। स्टालिन ने नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग में नियुक्ति आदेश जारी करने के बाद कहा कि राज्य की आर्थिक वृद्धि दर काफी प्रभावशाली ढंग से बढ़ रही है, जो चर्चा का विषय है। उन्होंने कहा, शहर में, पूरे देश में यही चर्चा है कि हमारे द्रविड़ मॉडल वाले शासन में तमिलनाडु की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 11.19 प्रतिशत हो गई है और यह एक सुखद समाचार है। तमिलनाडु की आर्थिक वृद्धि दर एक नए शिखर पर पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य 14 वर्षों के बाद एक बार फिर डीएमके शासन के दौरान इतनी प्रभावशाली वृद्धि देख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा हम नहीं कह रहे हैं। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के संशोधित अनुमानों के अनुसार, 2024-25 के दौरान तमिलनाडु ने 11.19 प्रतिशत की वृद्धि हासिल कर ली है। यह आंकड़ा इस साल की शुरुआत में पेश किए गए तमिलनाडु सरकार के बजट में अनुमानित वृद्धि से लगभग 2.2 प्रतिशत अधिक है। राज्य की आर्थिक वृद्धि, जिसके पहले लगभग 9.69 प्रतिशत (2024-25) रहने का अनुमान था, अब बढ़कर 11.19 प्रतिशत हो गई है।

न्यायालय ने योजनाओं में मुख्यमंत्री के नाम, तस्वीर के इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को बुधवार को रद्द कर दिया, जिसमें तमिलनाडु की द्रमुक सरकार को कल्याणकारी योजनाओं में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम एवं तस्वीर का इस्तेमाल नहीं करने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने के लिए अन्नाद्रमुक नेता सी. वी. षणमुगम पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। न्यायालय ने कहा कि तमिलनाडु की कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री के नाम के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका अनुचित और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

पीठ ने षणमुगम को एक सप्ताह के भीतर राज्य सरकार के पक्ष में राशि का भुगतान करने को कहा तथा स्पष्ट किया कि ऐसा न करने पर अवमानना का मुकदमा चलाया जाएगा।

पीठ ने आदेश दिया, रिट याचिका पूरी तरह से अनुचित, क़ानूनी तौर पर ग़लत और क़ानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग भी थी। इसलिए हम विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को मंज़ूरी देते हैं और मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हैं। हम उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका को भी खारिज करने के पक्ष में हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमने बार-बार कहा है कि राजनीतिक लड़ाइयों का निपटारा मतदाताओं के समक्ष होना चाहिए और इसके लिए अदालतों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने अन्नाद्रमुक नेता की याचिका को उच्च न्यायालय से अपने पास स्थानांतरित कर लिया और उसे खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, जैसा कि देखा गया है कि विभिन्न राज्यों में विभिन्न नेताओं के नाम पर योजनाएं चलाई जा रही हैं... हम किसी भी राजनीतिक दल को शर्मिंदगी से बचाने के लिए अन्य योजनाओं का उल्लेख नहीं करना चाहते हैं, क्योंकि ऐसी योजनाएं सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के नाम पर चलाई जा रही हैं।

आदेश में की गई टिप्पणियां इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि द्रमुक और राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और अभिषेक सिंघवी ने पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार द्वारा ''अम्मा'' के नाम पर चलाई गई योजनाओं का उल्लेख किया। आदेश में कहा गया है, हम याचिकाकर्ता (षणमुगम) की चिंता को समझ नहीं पा रहे हैं। उन्होंने केवल एक राजनीतिक दल और उसके नेताओं को चुना। अगर याचिकाकर्ता को राजनीतिक दलों द्वारा सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की इतनी चिंता थी, तो वह ऐसी सभी योजनाओं को चुनौती दे सकते थे। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता द्वारा द्रमुक और उसकी सरकार की योजनाओं को निशाना बनाने के पीछे की मंशा पर सवाल उठाए और उच्च न्यायालय में जल्दबाजी में याचिका दायर करने पर भी सवाल उठाए। इसने अन्नाद्रमुक नेता द्वारा 18 जुलाई को भारत के निर्वाचन आयोग में द्रमुक की मान्यता निलंबित करने या वापस लेने के लिए दायर किए गए अभ्यावेदन का भी हवाला दिया। पीठ ने कहा, सबसे पहले, निर्विवाद रूप से तमिलनाडु राज्य में कोई आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है। इसलिए पहला सवाल यह उठता है कि निर्वाचन आयोग के समक्ष ऐसा अभ्यावेदन मान्य है या नहीं।

इसके बाद न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग को अभ्यावेदन पर निर्णय लेने का अवसर दिए बिना ही याचिकाकर्ता ने अभ्यावेदन के तीन दिन के भीतर ही 21 जुलाई को उच्च न्यायालय में अपील दायर कर दी। सुनवाई के दौरान रोहतगी ने उन निर्णयों का हवाला दिया, जिनमें कल्याणकारी योजनाओं के लिए वर्तमान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों और राज्यपालों की तस्वीरों के इस्तेमाल की अनुमति दी गई थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने 31 जुलाई को तमिलनाडु सरकार को किसी भी नई या पुनः पेश की गई जन कल्याणकारी योजना का नाम जीवित व्यक्तियों के नाम पर रखने से रोक दिया। अदालत ने ऐसी योजनाओं के प्रचार के विज्ञापनों में पूर्व मुख्यमंत्रियों, नेताओं या द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के किसी भी प्रतीक, चिह्न या झंडे के चित्रों के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी थी।

मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने षणमुगम द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया था।

केरल में स्कूल की छत गिरी, स्कूल में थी छुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। त्रिशूर के कोडाली में एक सरकारी स्कूल के हॉल की छत बुधवार सुबह ढह गई लेकिन गनीमत यह रही कि बारिश की वजह से जिलाधिकारी ने स्कूल की छुट्टी घोषित की हुई थी जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

एक अधिकारी ने बताया कि कोडाली सरकारी लोअर प्राइमरी स्कूल के मुख्य हॉल की जिप्सम बोर्ड की छत अचानक गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि बारिश की छुट्टी के कारण स्कूल बंद था जिससे हादसा टल गया। स्कूल परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों और निवासियों ने कहा कि इस हॉल का इस्तेमाल नियमित रूप से सुबह की प्रार्थना सभा और दैनिक गतिविधियों में होता था। एक अभिभावक ने कहा, शिक्षक बच्चों को कक्षों में भेजने से पहले उन्हें इसी हॉल में बैठाते थे। अगर आज छुट्टी न होती और यह घटना स्कूल के समय में होती तो परिणाम क्या होते, इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। स्थानीय कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि ''बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अवैज्ञानिक तरीके से निर्माण'' के कारण यह हॉल ढह गया।

एक प्रदर्शनकारी ने एक टेलीविजन चैनल से बातचीत में कहा,''अगर छुट्टी नहीं होती तो क्या होता?'' यह घटना मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा अधिकारियों को राज्य भर के जर्जर स्कूल और अस्पताल भवनों की सूची पेश करने के निर्देश देने के एक दिन बाद हुई।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने कलैगनार विश्वविद्यालय विधेयक राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कलैगनार विश्वविद्यालय विधेयक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास विचारार्थ भेज दिया है। राज्य विधानसभा ने यह विधेयक इस वर्ष की शुरुआत में पारित किया था। सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इस विधेयक में भारतीदासन विश्वविद्यालय का विभाजन करके कुंभकोणम में कलैगनार विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव है, जिसका उद्देश्य अरियालुर, नागपट्टनम, तंजावुर और तिरुवरूर जिलों के छात्रों की उच्च शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करना है। इसका नाम पूर्व मुख्यमंत्री एवं द्रमुक के संरक्षक एम करुणानिधि के नाम पर रखा गया है, जो मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के पिता हैं। विधेयक को स्वीकृति मिलने के बाद स्टालिन इसके पहले कुलपति होंगे। यह विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गए दो विधेयकों में से एक है। अधिकारी ने बताया कि दूसरा विधेयक तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव करता है, ताकि राज्य सरकार को खेल विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति और उन्हें हटाने का अधिकार मिल सके।

दोनों विधेयक अप्रैल में विधानसभा द्वारा पारित किए गए थे और बाद में राज्यपाल के पास स्वीकृति के लिए भेजे गए थे। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान ने पहले घोषणा की थी कि नया विश्वविद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से काम करना शुरू कर देगा। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि मंजूरी मिलने में देरी के कारण उद्घाटन में बाधा पैदा हुई है।

तमिलनाडु की महिला ने 22 महीने में 300 लीटर 'ब्रेस्ट मिल्क' दान कर हजारों नवजातों की मदद की

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के कट्टूर में एक गृहिणी (33) ने 22 महीने की अवधि में 300 लीटर से अधिक 'ब्रेस्ट मिल्क' (मां का दूध) दान किया, जिससे समय-पूर्व जन्मे और गंभीर रूप से बीमार हजारों शिशुओं की जान बचाने में मदद मिली है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दो बच्चों की मां सेल्वा बृंदा ने महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल (एमजीएमजीएच) 'मिल्क बैंक' को अप्रैल 2023 से फरवरी 2025 के बीच कुल 300.17 लीटर 'ब्रेस्ट मिल्क' दान किया।

अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में एमजीएमजीएच मिल्क बैंक को दान किए गए कुल 'ब्रेस्ट मिल्क' में लगभग 50 फीसदी योगदान बृंदा का था। अधिकारी के मुताबिक, बृंदा को एक गैर-सरकारी संगठन ने 'ब्रेस्क मिल्क' दान करने के लिए प्रोत्साहित किया था।

उन्होंने बताया कि 22 महीने की अवधि में 300 लीटर से अधिक 'ब्रेस्ट मिल्क' दान करने के लिए बृंदा का नाम 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' दोनों में शामिल किया गया है। अधिकारी के अनुसार, हजारों शिशुओं की जान बचाने में बृंदा के योगदान को देखते हुए एमजीएमजीएच मिल्क बैंक के अधिकारी सात अगस्त को 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के समापन समारोह के दौरान उन्हें सम्मानित करेंगे।

अश्लील सामग्री प्रसारित करने के आरोप में अभिनेत्री श्वेता मेनन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल में इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री प्रकाशित और प्रसारित करने के आरोप में मलयालम फिल्म अभिनेत्री श्वेता मेनन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। श्वेता की पिछली फिल्मों में कुछ दृश्यों को लेकर की गई शिकायत के सिलसिले में यह मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मार्टिन मेनाचेरी की शिकायत पर शुरू में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। एर्णाकुलम सेंट्रल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अदालत के निर्देश के बाद सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67 (इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करना) और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मंगलवार को श्वेता के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उनकी कुछ पिछली फिल्मों में अश्लील दृश्य थे और इन्हें सोशल मीडिया तथा विभिन्न ऑनलाइन साइट पर प्रसारित किया जा रहा है।

उत्तराखंड में बादल फटने की घटना के बाद केरल के 28 पर्यटक लापता

कोच्चि/भाषा। उत्तराखंड में बादल फटने से हुए भारी भूस्खलन के बाद मूल रूप से केरल निवासी 28 पर्यटकों का समूह लापता हो गया है। परिवार के सदस्यों ने बुधवार को यह जानकारी दी। समूह में शामिल एक दंपति के रिश्तेदार ने मीडियाकर्मियों को बताया कि इन 28 लोगों में से 20 केरल से हैं जो महाराष्ट्र में बस गए हैं, जबकि बाकी आठ लोग केरल के विभिन्न जिलों से हैं। उन्होंने बताया कि दंपति के बेटे ने आखिरी बार उनसे एक दिन पहले बात की थी। रिश्तेदार ने कहा, उन्होंने बताया कि वे उस दिन सुबह करीब साढ़े आठ बजे उत्तरकाशी से गंगोत्री जाने वाले थे। उसी मार्ग में भूस्खलन हुआ था। उनके जाने के बाद से हम उनसे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरिद्वार स्थित ट्रैवल एजेंसी ने 10 दिनों की उत्तराखंड यात्रा का आयोजन किया था। ट्रैवेल एजेंसी भी समूह के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रही है। उन्होंने कहा, हो सकता है कि उनके फोन की बैटरी तब तक खत्म हो गई हो। उस क्षेत्र में फिलहाल कोई मोबाइल नेटवर्क नहीं है।

इंफोसिस ने कर्नाटक के हुबली में उन्नत एआई, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुबली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस ने बुधवार को हुबली में अपने अत्याधुनिक 'उन्नत एआई, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र' स्थापित करने की घोषणा की।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह केंद्र ग्राहकों को नवाचार में तेजी लाने और अपने व्यवसायों को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु उभरती तकनीकों के इस्तेमाल में मदद के वास्ते डिजाइन किया गया है।

यह केंद्र हुबली को इंफोसिस के लिए एक प्रमुख प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करता है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, इंजीनियरिंग सेवाओं, एसएपी और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों पर ध्यान केंद्रित करता है। इस केंद्र का उद्घाटन कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल और इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने किया। हुबली डीसी में वर्तमान में 1000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। पाटिल ने कहा, हम इंफोसिस द्वारा अपने हुबली विकास केंद्र में 1000 कर्मचारियों का आंकड़ा पार करके उत्तरी कर्नाटक में अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए बेहद उत्साहित हैं। यह उपलब्धि न केवल महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करती है, बल्कि उद्योग-अकादमिक सहयोग को भी मजबूत करती है, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को एआई और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में फलने-फूलने का अवसर मिलता है। इंफोसिस के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुनील कुमार धरेश्वर ने कहा कि यह नया केंद्र उद्योगों में बदलाव लाने वाले एआई-संचालित डिजिटल समाधान प्रदान करने के कंपनी के मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े मामले में अभिनेता विजय देवरकोंडा ईडी के समक्ष पेश हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। मशहूर अभिनेता विजय देवरकोंडा कुछ मंचों पर होने वाली अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और इससे जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए।

फिल्म 'लाइगर' के अभिनेता यहां केंद्रीय एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों के समक्ष पेश हुए। इससे पहले, अभिनेता प्रकाश राज इस मामले में 30 जुलाई को ईडी के सामने पेश हुए थे। ईडी ने राज के अलावा अभिनेता राणा दग्गुबती, विजय देवरकोंडा और लक्ष्मी मांचू को भी मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अभिनेताओं ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप का समर्थन किया था, जिससे कथित तौर पर अवैध तरीके से धन हासिल किया जाता था। हैदराबाद में जन्मे अभिनेता देवरकोंडा ने वर्ष 2011 की तेलुगु फिल्म 'नुव्विला' से अभिनय के कॅरियर की शुरुआत की और वह 2017 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से लोगों के दिलों में छा गए।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अभिनेता के बयान दर्ज कर सकती है। ईडी ने पांच राज्यों की पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकियों के आधार पर इन अभिनेताओं और कई अन्य मशहूर हस्तियों तथा कई सोशल मीडिया 'इंफ्लुएंसर' के खिलाफ मामला दर्ज किया था। ईडी सूत्रों ने बताया कि ऐसा संदेह है कि इन व्यक्तियों ने विज्ञापन शुल्क के लिए ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का 'समर्थन' किया। उन्होंने बताया कि इन मंचों पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए कथित तौर पर करोड़ों रुपए मूल्य की 'अवैध' धनराशि अर्जित की गई। सूत्रों के अनुसार, इन जाने-माने व्यक्तियों में से कुछ ने पहले कहा था कि उन्होंने जिन ऐप का समर्थन किया, वे उसकी सटीक कार्यप्रणाली नहीं जानते थे। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने (जाने-माने व्यक्तियों ने) कभी भी किसी गलत कार्य या सट्टेबाजी जैसी अवैध गतिविधियों के लिए इन मंचों से खुद को नहीं जोड़ा था।

एसआईटी ने शिकायतकर्ता के साथ 'धर्मस्थल' के पास जंगल का दोबारा दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल (कर्नाटक)/भाषा। विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने सामूहिक दफन किए जाने के कथित मामले की जांच के संबंध में बुधवार को 'धर्मस्थल' के पास वन क्षेत्र का फिर से दौरा किया। एसआईटी के साथ शिकायतकर्ता भी था।

सूत्रों के अनुसार, शिकायतकर्ताञ्जो एक पूर्व सफाई कर्मचारी हैञ्जीम को जंगल में और अंदर ले गया और निरीक्षण के लिए एक नया स्थान बताया। कथित तौर पर स्पॉट 11ए के रूप में चिह्नित यह स्थान, उस पुराने स्थान के पास स्थित है जहां इस सप्ताह की शुरुआत में कंकाल बरामद किए गए थे।

घटनास्थल पर भारी मशीनें और मज़दूरों का एक समूह तैनात किया गया था। एसआईटी अपनी जांच में इस स्थान को महत्वपूर्ण मान रही है। फॉरेंसिक टीम भी क्षेत्र का विस्तृत सर्वेक्षण करने वाली है।

एसआईटी अधिकारी नवीनतम घटनाक्रम के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं, केवल इतना कह रहे हैं कि नए स्थान पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

पूर्व सफाई कर्मचारी ने दावा किया है कि वह 1995 और 2014 के बीच 'धर्मस्थल' में काम करता था और उसे 'धर्मस्थल' में कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के शव भी थे। उसने आरोप लगाया था कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। उसने इस संबंध में एक मजिस्ट्रेट के सामने बयान भी दर्ज कराया है।

पिछले दो दशकों में इस क्षेत्र में सामूहिक हत्या, यौन हिंसा और गुप्त रूप से दफ़नाने के आरोपों के बाद राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया था। मामले में कई टीम पूरे क्षेत्र में जमीनी स्तर पर अभियान चला रही हैं।

शिक्षा व पंचायती राज विभाग में केवल स्वदेशी सामान का उपयोग होगा : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को कहा कि राजस्थान के शिक्षा, पंचायती राज तथा संस्कृत शिक्षा विभाग में अब केवल स्वदेशी सामानों का उपयोग किया जाएगा। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मंत्री ने इसके लिए इन तीनों विभागों को निर्देश दिए हैं। दिलावर ने कहा कि इन तीनों विभागों में अब केवल भारत में ही निर्मित स्वदेशी सामानों का उपयोग किया जाएगा, विदेश में निर्मित सामानों की खरीद नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के विनिर्माण क्षेत्र एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'मेक इन इंडिया' की परिकल्पना की गई है, इसे साकार करने के उद्देश्य से शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग के सभी कार्यालयों में यथासंभव भारत में निर्मित सामानों को ही उपयोग में लिए जाए।

उन्होंने कहा, ''यदि विशेष परिस्थितियों में भारत में निर्मित सामान उपलब्ध नहीं हो तो ऐसे में मंत्री स्तर से अनुमति लेकर ही सामान खरीदें/उपयोग में लें।''

मंत्री ने यह भी कहा कि यदि बिना अनुमति के भारत में निर्मित उत्पादों के अलावा अन्य सामान खरीदा गया तो व्यक्तिगत रूप से वसूली होगी। इसके साथ ही दिलावर ने महिलाओं से अपील की कि वे इस बार रक्षाबंधन पर्व पर देश के प्रति अपने कर्तव्य को समझते हुए स्वदेशी वस्तुएं ही खरीदें और विदेशी खासकर चीन में बनी राखियों का बहिष्कार करें। दिलावर ने एक बयान में कहा, ''स्वदेशी राखी खरीद कर आप देश सेवा तो करेंगे ही, साथ ही अपने भारतीय भाई-बहनों को रोजगार उपलब्ध कराने में बड़ी मदद भी करेंगे।''

मुख्यमंत्री बजट घोषणा सहित सभी योजनाएं तय समयावधि और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ हों पूर्ण : अपर्णा अरोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आगामी दिनों में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के दौरे से पूर्व विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्रीमती अरोड़ा ने शासन सचिवालय के समिति कक्ष मंथन में हुई अहम बैठक लेते हुए बजट घोषणा वर्ष 24-25 एवं 25-26 की बिंदुवार प्रगति रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा सहित विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाएं तय समयावधि और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ पूर्ण हों। उन्होंने लंबित कार्यों के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। श्रीमती अरोड़ा ने बताया कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग द्वारा आगामी 21-22 अगस्त को राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक लिया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की भी समीक्षा कर प्रगति जानी और जरूरी दिशानिर्देश भी दिए। अधिकारियों ने अनुसूचित जाति के लिए संचालित योजनाओं का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए विस्तार से बताया।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने विभिन्न योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त निदेशालय विशेष योग्यजन केसर लाल मीना, वित्तीय सलाहकार श्रीमती अंजू सिंह, अतिरिक्त निदेशक सुण्डाराम मीना, श्रीमती रीना शर्मा, दिलबाग सिंह, अरविन्द कुमार, चंद्रशेखर चौधरी सहित बाल अधिकारिता, विशेष योग्यजन एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में बुधवार दोपहर बाद सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा मांडलगढ़-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग पर भारजी का खेड़ा गांव के पास उस समय हुआ जब तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मांडलगढ़ थाने के सहायक उपनिरीक्षक राम सिंह ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक का चालक वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि वाहन को जब्त कर लिया गया है और मृतकों की पहचान अभी नहीं हुई है।

हरियालो राजस्थान जैसे अभियान प्रकृति संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण : सिद्धि कुमारी

बीकानेर। विधायक सिद्धि कुमारी ने कहा है कि 'एक पेड़ मां के नाम' और 'हरियालो राजस्थान' जैसे अभियान प्रकृति संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। सिद्धिकुमारी बुधवार को इंदिरा गांधी नहर परियोजना कॉलोनी स्थित राजकीय विद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण करने के बाद सम्बोधित कर रही थीं। इस दौरान स्कूल प्रबंधन द्वारा 101 पौधे लगाये गये। इस अवसर पर सिद्धिकुमारी ने कहा कि पौधे लगाने के साथ इनकी देखभाल का संकल्प भी लिया जाये। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' सहित 'हरियालो राजस्थान' जैसे अभियानों से प्रकृति संरक्षण की दिशा में सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य चंदन सोलंकी, विद्यार्थी, स्टाफ सदस्य और उप जिला शिक्षा अधिकारी अनिल बोड़ा मौजूद रहे। छात्रों ने पौधों को अपने परिवार के सदस्य के रूप में संरक्षित करने की शपथ ली और पौधों के रक्षा सूत्र बांधे।

अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ की तैयारियां जोरों पर

माउंट आबू। राजस्थान में पर्यटन स्थल माउंट आबू में ब्रह्माकुमारी संगठन की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि के मौके पर 17 अगस्त को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में आयोजित की जा रही सातवीं अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ की तैयारियां जोरों से की जा रही हैं। मैराथन संयोजक समिति सदस्य बी के सचिन ने बुधवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ के लिए करीब साढ़े तीन हजार सहभागियों का पंजीकरण हो चुका है। विदेशों के भी करीब पांच दर्जन धावक दौड़ में भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैराथन दौड़ के दौरान माउंट आबू से आबूरोड सड़क मार्ग पर सुबह साढ़े पांच से साढ़े सात बजे तक यातायात आंशिक रूप से बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि मैराथन मनमोहिनीवन से आरंभ होगी जो छीपाबेरी, सातघूम, आरणा हनुमान मंदिर, टोलनाका, गौमुख चौक, बस स्टैंड, रोटरी सर्कल, चाचा म्यूजियम चौक, अंबेडकर चौक, नक्की मार्केट, भारत माता नमन स्थल, दादी प्रकाशमणि मार्ग होते हुए ओम शान्ति भवन में संपन्न होगी।

बीकानेर में विदेशी युवती से दुष्कर्म

जोधपुर। बीकानेर में एक विदेशी युवती के साथ दुष्कर्म के सनसनीखेज़ मामले में पुलिस ने जोधपुर निवासी इवेंट मैनेजर दिनेश गौड़ को गिरफ्तार किया है। पीड़िता 30 वर्षीय महिला है, जो फिलीपींस के कोबू सिटी की रहने वाली है। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता बीकानेर में एक सांस्कृतिक मेले के सिलसिले में आई थी। हाल ही में सादुल क्लब में आयोजित इस मेले में फिलीपींस की 10-12 अन्य महिलाएं भी शामिल थीं। इस कार्यक्रम का आयोजन आरोपी दिनेश गौड़ कर रहा था, जो जोधपुर सहित कई शहरों में ऐसे आयोजन करता रहा है। एफआईआर में दर्ज शिकायत के अनुसार, आरोपी ने पीड़िता को होटल सागर में ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता सीधे सदर थाना पहुंची और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए केस दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बीकानेर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, इस मामले की जांच आईपीएस विशाल जांगिड़ के नेतृत्व में की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी तथ्यों और सबूतों को बारीकी से परखा जा रहा है, वहीं पीड़िता को सुरक्षा और कानूनी मदद मुहैया कराई गई है।

भजनलाल शर्मा की पहल से जनसुनवाई बनी सुशासन की नई मिसाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन की प्रत्येक समस्या का समाधान करने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। शासन को सेवा का माध्यम मानते हुए यह सरकार प्रदेशवासियों के हित के लिए पारदर्शिता, जवाबदेहिता एवं संवेदनशीलता के साथ पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को पूरा करने में जुटी हुई है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई भी इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

जनसुनवाई में फरियादी नगर निगम, जेडीए, गृह, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, जल संसाधन सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। कोई परिवादी बीमारी में इलाज की मदद के लिए आते हैं तो कोई परिवादी अपनी पेंशन से जुड़े प्रकरण को निस्तारण के लिए तो कोई विद्युत कृषि कनेक्शन के लिए। मुख्यमंत्री संवेदनशीलता दिखाते हुए इन सभी प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर रहे हैं जिससे आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है।

कोटपूतली के नारायणपुर तहसील निवासी जयराम किसान परिवार से हैं। उन्होंने कृषि विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन किया था जोकि पिछले काफी समय से लंबित था। जनसुनवाई में अपने इस प्रकरण को लेकर जब जयराम आए तो मुख्यमंत्री ने फसलों के सीजन को देखते हुए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जयराम के कृषि कनेक्शन आवेदन को प्राथमिकता से लेते हुए कनेक्शन उपलब्ध करा दिया। इसी तरह अलवर की लक्ष्मणगढ़ तहसील के कैलाश चंद मीणा को भी कृषि विद्युत कनेक्शन के अभाव में फसलों की सिंचाई नहीं होने से काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री को अपनी इस परेशानी से अवगत कराया तो मुख्यमंत्री ने किसान होने के नाते उनकी समस्या को समझा तथा तुरंत इसके समाधान के निर्देश दिए। अधिकारियों ने भी शीघ्र कार्यवाही करते हुए कैलाश को कृषि विद्युत कनेक्शन जारी कर राहत दी। जयराम और कैलाश मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहते हैं कि भजनलाल जी का बहुत-बहुत आभार जिन्होंने संवेदनशीलता से हमारी खेती में आ रही समस्याओं को न केवल समझा बल्कि शीघ्रता से समाधान भी किया।

खान विभाग की विभागीय बकाया एवं ब्याजमाफी योजना जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार ने खान विभाग की विभागीय बकाया एवं ब्याज माफी योजना जारी कर अप्रधान खानधारकों, क्वारी लाइसेंसधारकों, आरसीसी-ईआरसीसी ठेका धारकों, एसटीपी व निर्माण विभाग के बकायादारों को मूलधन में स्लेब अनुसार व ब्याज में शतप्रतिशत की छूट देते हुए बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अप्रधान खान लीजधारकों व माइंस एसोसिएशनों के पदाधिकारियों द्वारा बकाया राशि की माफी योजना लागू करने की लगातार मांग की जाती रही है। मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने खानधारकों द्वारा की जा रही मांग देखते हुए बड़ी राहत दी है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के इस निर्णय से जहां संबंधित खानधारकों को राहत मिलेगी वही बकाया राजस्व की वसूली व वसूली प्रयासों में लगने वाले अनावश्यक समय व धन की बचत होगी। वसूली कार्य में नियोजित मानव संसाधन का प्रोडक्टिव कार्यों में उपयोग होगा।

राज्य सरकार ने बजट घोषणा 2025 में खान विभाग की बकाया एवं ब्याजमाफी योजना के क्रियान्वयन में योजना जारी कर दी है। यह योजना 31 मार्च, 24 तक के बकाया मूलधन व ब्याज पर लागू होगी। योजना 31 दिसंबर, 2025 तक प्रभावी रहेगी। प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि योजना को व्यावहारिक बनाने के साथ ही इसका दायरा भी बढ़ाया गया है।

पहली बार अप्रधान खनिज की प्रभावी, खण्डित, अध्यर्पित, अवधि समाप्त खनिज रियायतों यथा खनन पटटा, क्वारी लाईसेंस, ईंट मिटटी परमिट, बजरी खनन हेतु जारी अस्थाई कार्यानुमति के रियायत धारकों द्वारा माईनिंग प्लान, पर्यावरण स्वीकृति, कन्सेन्ट टू ऑपरेट से अधिक उत्पादन दोष तथा किसी निर्णय के कारण खनिज रियायत को नल एण्ड वॉइड घोषित किए जाने पर घोषित करने की तिथि से पूर्व की अवधि में खनिज निर्गमन को अवैध निर्गमन मानकर कायम की गई शास्ति की 31.03.2024 तक की बकाया का 20 प्रतिशत मूलराशि जमा करने पर शेष बकाया राशि एवं सम्पूर्ण ब्याज राशि माफ की जावेगी। डीएमएफटी की दिनांक 31.03.2024 तक की मूल बकाया जमा कराने पर सम्पूर्ण ब्याज राशि माफ की जावेगी।

आर.सी.सी.-ई.आर.सी.सी. ठेकों की बकाया मामलों में 31 मार्च, 2010 तक खंडित ठेकों में 30 प्रतिशत मूल बकाया और पूर्ण ठेका अवधि पूरी करने वाले ठेकों में 40 प्रतिशत मूल बकाया राशि जमा कराने पर शेष मूल बकाया और समस्त ब्याजराशि की छूट दी गई है।

पर्यटन उद्योग ही नहीं बल्कि राजस्थान के आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन की धुरी : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन कला एवं संस्कृति एवं अध्यक्ष आरटीडीसी राजेश यादव, पर्यटन आयुक्त रुकमणि रियाड़, नगरीय विकास, राजस्व, स्थानीय स्वायत्त शासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में बुधवार को होटल गणगौर में राईजिंग राजस्थान पर्यटन सेक्टर एमओयूज एक्सेलरेटिंग ग्राउंड ब्रेकिंग निवेशक संवाद आयोजन किया गया। 79 एमओयू होल्डर्स की उपस्थिति में राईजिंग राजस्थान में हुए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए निवेशकों के लंबित विषय जैसे भूमि आवंटन, भूमि रूपांतरण, भवन स्वीकृति योजनाओं या अन्य मुद्दों को शीघ्रता से निस्तारण करने हेतु चर्चा की गई। इसके साथ ही टूरिज्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि द्वारा होटल निर्माण की ऋण आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी दी गई।

यादव ने निवेशकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यटन, उद्योग ही नहीं बल्कि राजस्थान के आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन की धुरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आगामी 11-12 दिसंबर में आयोजित किए जाने वाले राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस कॉन्क्लेव में पर्यटन परियोजनाओं की प्रगति को प्रदर्शित किया जाएगा जिससे निवेशकों, ऑपरेटरों तथा वैश्विक भागीदारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं की नियमित निगरानी और क्रियान्वयन के लिए बहुस्तरीय प्रणाली लागू की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्तर पर प्रति माह एवं मुख्य सचिव द्वारा हर 15 दिन में एमओयू परियोजनाओं की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग में एक विशेष 'एमओयू फैसिलिटेशन सेल' गठित की गई है, जिसकी साप्ताहिक निगरानी प्रमुख शासन सचिव एवं आयुक्त के स्तर से की जा रही है। मुख्यालय स्तर पर प्रत्येक वरिष्ठ अधिकारी को कुछ जिलों की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है ताकि ज़मीनी स्तर पर एमओयू का क्रियान्वयन हो सके। वहीं भूमि आवंटन व रूपांतरण संबंधी विषयों पर यूडीएच, एलएसजी और राजस्व विभागों से आरटीयूपी-2024 की अधिसूचना जारी करने तथा भूमि नीति सार्वजनिक करने का अनुरोध किया गया है।

पर्यटन आयुक्त रुकमणि रियाड़ ने इस अवसर पर कहा कि 'राइजिंग राजस्थान' के अंतर्गत पर्यटन क्षेत्र में अब तक लगभग 1600 निवेश समझौते किए जा चुके हैं। इनमें होटल, रिसॉर्ट, हेरिटेज प्रॉपर्टीज, वेलनेस सेंटर, ईको टूरिज्म और अन्य नवाचार आधारित परियोजनाएं शामिल हैं। जिनमें कुल छ1.37 लाख करोड़ का निवेश एवं एक लाख नब्बे हजार व्यक्तियों को रोजगार संभावित है। इनमें से 29 परियोजनाएं पूरी तरह से चालू हो चुकी हैं, जबकि 213 परियोजनाओं के ग्राउन्ड ब्रेकिंग पूरे किए जा चुके हैं, जिनमें कुल 28 हजार 200 करोड़ का निवेश और 13500 व्यक्तियों को रोजगार प्रस्तावित है। पर्यटन आयुक्तङ्क रुकमणि रियाड़ ने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए यह संवाद सत्र आयोजित किया गया है, जिसमें यूडीएच, राजस्व और एलएसजी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें। टूरिज्म फाइनेंस कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधियों को दिल्ली से आमंत्रित किया गया है ताकि ऋण संबंधी आवश्यकताओं पर इनसे चर्चा की जा सके। साथ ही, सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि वे आगामी महीनों में अपने-अपने जिलों में एमओयू समीक्षा बैठकें आयोजित करें ताकि स्थानीय स्तर पर समाधान हो सके। अतिरिक्त निदेशक पर्यटन पवन कुमार जैन ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में पर्यटन इकाई नीति 2024 लागू की है। जिसमें निवेशकों के प्रोत्साहन के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही सरकार दो नई नीतियां लेकर आ रही है। पहली राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति, जिससे राजस्थान को एक वैश्विक फिल्म शूटिंग हब बनाया जा सकेगा। दूसरी नई समग्र पर्यटन नीति जो पर्यटन अवसंरचना, रोजगार सृजन और अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग से फिल्म शूटिंग तक राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अब डेस्टिनेशन वेडिंग्स, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और फिल्म शूटिंग्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे यह क्षेत्र निवेश के लिए और अधिक आकर्षक बन गया है।

अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम को भी डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने की कार्य योजना बनाएं : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम के 8 सर्किलों में अब सभी खराब मीटर बदल दिए गए हैं। जुलाई माह में दौसा, जयपुर जिला वृत्त-(उत्तर) तथा झालावाड़ सर्किल को डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने के बाद जयपुर डिस्कॉम ने अगस्त माह में जयपुर नगर वृत्त-उत्तर एवं दक्षिण, कोटा, बून्दी तथा बारां सर्किल को भी जीरो डिफेक्टिव मीटर सर्किल करने में कामयाबी हासिल की है। इसी प्रकार कोटा जोन, प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगमों में पहला जोन बन गया है जिसके, सभी सर्किल डिफेक्टिव मीटर मुक्त कर दिए गए हैं।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने अगस्त माह में शून्य डिफेक्टिव मीटर की उपलब्धि हासिल करने वाले कोटा जोन के मुख्य अभियन्ता तथा सभी पांचों सर्किल अधीक्षण अभियन्ताओं को बुधवार को विद्युत भवन में प्रमाण पत्र सौंप कर उन्हें बधाई दी। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुआरती डोगरा भी इस अवसर पर मौजूद थीं। नागर ने इस महत्वपूर्ण कामयाबी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जयपुर विद्युत वितरण निगम के शेष 10 सर्किलों को भी डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगमों को भी डिफेक्टिव मीटर मुक्त बनाने की दिशा में कार्य योजना बनाई जाए।

इस दौरान चेयरमैन डिस्कॉम्स सुआरती डोगरा ने बताया कि विद्युत मीटर के लम्बे समय तक खराब रहने के कारण निगम को बिलिंग और राजस्व की आर्थिक हानि होती है। इस समस्या के निराकरण के लिए जयपुर डिस्कॉम को डिफेक्टिव मीटर मुक्त करने की कार्य योजना तैयार की गई। इसके तहत इन पांचों सर्किलों में 1 अप्रेल 2024 से 31 जुलाई 2025 तक 72979 खराब मीटर बदले गए हैं। इनमें जयपुर नगर वृत्त-उत्तर में सर्वाधिक 28300, जयपुर नगर वृत्त-दक्षिण में 23018, कोटा वृत्त में 12489, बून्दी वृत्त में 6939 तथा बारां सर्किल में 2233 खराब मीटर बदले गए हैं। इससे पहले जुलाई माह में दौसा वृत्त ने 1 जुलाई 2024 से 30 जून 2025 तक 9 हजार 139, जेपीडीसी नॉर्थ ने इस वर्ष 1 जनवरी से 30 जून तक 17 हजार 885 तथा झालावाड़ सर्किल ने इस वर्ष 1 जनवरी से 30 जून तक विभिन्न श्रेणियों में 1585 खराब मीटर बदलकर डिफेक्टिव मीटरों की संख्या शून्य करने में सफलता प्राप्त की है।

दिलों से लेकर दीवारों तक उकेरे जा रहे देश भक्ति के रंग

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से जयपुर जिले में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने एवं आमजन में देशभक्ति की भावना का संचार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में शहर से लेकर कस्बों एवं गांवों तक तिरंगा रैली, तिरंगा वाल पेंटिंग, जागरुकता रैली, रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी अभियान के सफल आयोजन के लिए निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अभियान के तहत जिले के समस्त राजकीय विद्यालयों में दीवारों पर तिरंगे की चित्रकारी, प्रभात फेरी-तिरंगा रंगोली, मांडणा, राखी एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन, तिरंगा रैली, मेला और संगोष्ठी के आयोजन के साथ-साथ जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान के तहत सफाई की जा रही है।

तुष्टीकरण से सरकार चलाने वाले आज न घर के रहे, न घाट के : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए बुधवार को कहा कि जो लोग तुष्टीकरण की राजनीति करके सत्ता में आए थे, वे आज न घर के हैं न घाट के।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मुरादाबाद में 79 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित अटल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की योजनाएं तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण पर आधारित हैं जो बिना भेदभाव के हर व्यक्ति तक पहुंचती हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, एक दौर था जब तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों के लिए सत्ता केवल एक दुकान थी। उन्होंने शिक्षा को नकल, अराजकता और जातिवाद का अड्डा बना दिया था। लेकिन आज वही लोग संतुष्टीकरण को लेकर परेशान हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, हमारी सरकार तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण के मार्ग पर चलती है। इसीलिए जनता का विश्वास आज भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा, जो लोग तुष्टीकरण की राजनीति करके सत्ता में आए थे, वे आज न घर के हैं न घाट के। ऐसे लोग न तो समाज के साथ खड़े हो पाए, न ही भविष्य की पीढ़ी के साथ।

समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाजवादी पार्टी को 'पीडीए' की अचानक चिंता सताने लगी है, जबकि अतीत में उन्हीं की सरकार में शिक्षा के क्षेत्र में किस प्रकार का व्यवहार हुआ, यह किसी से छिपा नहीं है। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद के लोगों को रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और घोषणा की कि आठ, नौ, 10 अगस्त को प्रदेश की सभी बहनों को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन से ठीक पहले अटल आवासीय विद्यालय को मुरादाबाद मंडल के बच्चों और श्रमिक परिवारों को समर्पित करते हुए इसे अटल जी की स्मृति को समर्पित आदर्श शिक्षा मंदिर बताया।

इस विद्यालय को अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष में शुरू किया गया है।

योगी ने कहा कि यह विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का भी स्रोत बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने कहा कि अब तक प्रदेश में 18 अटल आवासीय विद्यालय बनाए जा चुके हैं जिनमें 18,000 से अधिक श्रमिक और अनाथ बच्चों को नि:शुल्क, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में आधुनिक शिक्षण तकनीक, छात्रावास, संपूर्ण आवासीय सुविधा, खेल, प्रयोगशाला और कौशल विकास की व्यापक व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने इसे शिक्षा के प्रति सरकार की अटल प्रतिबद्धता बताया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, कक्षा 12वीं के बाद उच्च शिक्षा का पूरा खर्च भी सरकार उठाएगी चाहे वो मेडिकल हो या आईआईटी।

व्हाट्सएप का नया सुरक्षा फीचर, अनजान ग्रुप में जोड़े जाने पर करेगा आगाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। त्वरित संदेश मंच व्हाट्सएप ने एक नया 'सेफ्टी ओवरव्यू' फीचर पेश किया है, जो उपयोगकर्ताओं को उन ग्रुप के बारे में सतर्क करेगा जिनमें उन्हें किसी अनजान व्यक्ति ने जोड़ा है।

व्हाट्सएप ने एक बयान में कहा कि इस टूल के जरिये उपयोगकर्ता को संबंधित ग्रुप के बारे में अहम जानकारी और सुरक्षित बने रहने से जुड़े सुझाव भी मिलेंगे। बयान के मुताबिक, यदि उपयोगकर्ता चाहे तो वह अलर्ट मिलने के बाद उस ग्रुप को देखे बिना ही उससे अलग हो सकता है। इसके अलावा उपयोगकर्ता उस ग्रुप में बने रहने की जब तक खुद पुष्टि नहीं करेगा, उस ग्रुप को भी 'म्यूट' रखा जाएगा। इसके साथ ही व्हाट्सएप ने कहा कि वह उन मामलों में भी चेतावनी देने के उपाय खोज रहा है जब कोई उपयोगकर्ता अपनी संपर्क सूची से बाहर के किसी व्यक्ति के साथ बातचीत शुरू करता है। इसमें संबंधित व्यक्ति के बारे में अधिक संदर्भ भी दिखाने की तैयारी है।

फर्जीवाड़े पर रोक की कोशिशों के तहत कंपनी ने बताया कि साल 2025 के पहले छह महीनों में 68 लाख से अधिक खातों पर रोक लगाई गई, जो दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थित आपराधिक गिरोहों द्वारा चलाए जा रहे फर्जीवाड़ा केंद्रों से जुड़े थे। कंपनी ने बताया कि हाल ही में व्हाट्सएप, मेटा और ओपनएआई ने मिलकर कंबोडिया स्थित एक फर्जीवाड़े वाले नेटवर्क को निष्क्रिय किया है। नेटवर्क ने

मणिपुर में लोकप्रिय सरकार की जरूरत : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बुधवार को कहा कि मणिपुर में एक लोकप्रिय सरकार की जरूरत है।

सिंह ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा कि राज्य की स्थिति के कारण उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि राज्य में राष्ट्रपति शासन कैसे लागू हुआ... एक लोकप्रिय सरकार की जरूरत है, और वह बननी भी चाहिए। मैं शुरू से ही लोकप्रिय सरकार के पक्ष में रहा हूं। परिस्थितियों के कारण मुझे इस्तीफा देने को बाध्य होना पड़ा। आप सब जानते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं समझता हूं कि लोग कठिनाई का सामना कर रहे हैं, और मैं एक लोकप्रिय सरकार की भी कामना करता हूं। मेरी राय में, एक लोकप्रिय सरकार में जनता और प्रशासक आपसी सामंजस्य के साथ अधिक सहजता से आगे बढ़ सकते हैं।

इससे पहले, इंफाल पूर्वी जिले के हिंगांग में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने कहा कि असम के लोगों ने राज्य में बेदखली अभियान का पूरे दिल से समर्थन किया है जबकि मणिपुर में अतिक्रमण के खिलाफ उनकी सरकार द्वारा की गई कार्रवाई को उतना समर्थन नहीं मिला।

बीरेन सिंह ने कहा, जब मैंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिक्रमणकारियों के एक वर्ग को बेदखल किया तो मुझे सांप्रदायिक कहा गया। बेहतर होता यदि मुझे कुछ सहयोग दिया जाता, क्योंकि बेदखली अभियान लोगों और राज्य के लिए था, मेरे लिए नहीं। फिर, मुझे आरक्षित वनों से अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने का दोषी ठहराया गया और मुझसे पूछा गया कि मैंने नशीले पदार्थों के उन्मूलन के लिए अभियान क्यों चलाया?''

ओडिशा के केंद्रपाड़ा में प्रेमी के ब्लैकमेल किए जाने के बाद कॉलेज छात्रा ने 'आत्मदाह' किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में बुधवार को एक कॉलेज छात्रा ने अपने प्रेमी द्वारा ब्लैकमेल किए जाने के कारण अपने घर में कथित तौर पर आत्मदाह कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

बारह जुलाई के बाद से ओडिशा में किसी महिला की जलने से मौत की यह तीसरी घटना है। ताजा घटना पट्टामुंडई (ग्रामीण) थाना क्षेत्र के काठियापाड़ा गांव में बुधवार सुबह हुई।

लगभग 20 वर्षीय युवती के पिता ने दावा किया कि जब वह घर में अकेली थी, तो उसने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। उन्होंने दावा किया, वह एक युवक के साथ रिश्ते में थी, जो उसे ब्लैकमेल कर रहा था। पिता ने दावा किया कि युवती ने छह महीने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पिता ने कहा, पुलिस ने मेरी बेटी से कहा कि अगर वह व्यक्ति उसे परेशान कर रहा है तो वह उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दे।

केंद्रपाड़ा के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ कटारिया घटनास्थल पर पहुंचे और कहा, मैंने शव देखा है। युवती के पिता ने दावा किया है कि उसने आत्महत्या की है। मामले की जांच की जाएगी।

यह इस तरह की तीसरी घटना है। इससे पहले, बालासोर के एक कॉलेज की 20 वर्षीय छात्रा ने 12 जुलाई को कॉलेज परिसर में आत्मदाह कर लिया था और दो दिन बाद एम्स-भुवनेश्वर में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पुरी जिले के बलांगा क्षेत्र की 15 वर्षीय एक अन्य लड़की की भी दो अगस्त को जलने से मौत हो गई थी।

झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत अब भी नाजुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है और उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। झामुमो के एक नेता ने बुधवार को यह जानकारी दी। नेता ने बताया कि दिल्ली के एक निजी अस्पताल में दो अगस्त से उपचाराधीन रामदास सोरेन की स्थिति पर वरिष्ठ विशेषज्ञों की एक टीम लगातार निगरानी रख रही है।

झारखंड के परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने बुधवार को अस्पताल का दौरा किया और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम से बातचीत की तथा शिक्षा मंत्री के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

बिरुआ ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, मैं झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं पंजीकरण विभाग के मंत्री भाई श्री रामदास सोरेन के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए दिल्ली में हूं। उनका अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम के साथ उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर चर्चा हुई। वर्तमान में सभी डॉक्टर उनके स्वास्थ्य में सुधार के प्रयास कर रहे हैं।

62 वर्षीय झामुमो नेता को दो अगस्त को अपने घर के बाथरूम में गिरने के बाद जमशेदपुर से राष्ट्रीय राजधानी के अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया था।

हाथरस सत्संग भगदड़ मामले में सुनवाई शुरू, सभी 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाथरस (उप्र)/भाषा। हाथरस जिले में जुलाई 2024 में एक धार्मिक सभा के दौरान भगदड़ मचने के मामले में सभी 11 आरोपियों को बुधवार को अदालत में पेश किया गया और उनके खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए गए। एक वकील ने यह जानकारी दी।

इसके साथ ही, अदालत में मामला साक्ष्य पेश किए जाने के चरण में पहुंच गया है और मुकदमे की सुनवाई शुरू होने वाली है। बचाव पक्ष के वकील ने बताया कि अगली सुनवाई 18 अगस्त को निर्धारित की गई है। जिला अदालत में पहले पेश किए गए विशेष जांच दल (एसआईटी) के आरोपपत्र के आधार पर आरोप तय किए गए हैं। स्वयंभू संत सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग के दौरान दो जुलाई, 2024 को सिकंदराराऊ इलाके में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस घटना के लिए बाबा के करीबी सहयोगी और सेवादार देवप्रकाश मधुकर समेत 11 लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। इस मामले में बाबा का नाम आरोपियों में शामिल नहीं है। आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील मुन्ना सिंह पुंडीर ने पुष्टि की कि बुधवार को औपचारिक रूप से आरोप पत्र पढ़ा गया। उन्होंने कहा, मामला अब साक्ष्य पेश किए जाने के चरण में पहुंच गया है। अभियोजन पक्ष अपने गवाह पेश करेगा और हम जिरह शुरू करेंगे। सभी 11 आरोपी आज अदालत में मौजूद थे और सभी फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर हैं।

बीसीसीआई को राहत, सरकारी सहायता लेने वाले महासंघ ही आरटीआई के दायरे में आयेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के आरटीआई संबंधी प्रावधान में संशोधन किया है जिसके तहत केवल उन्हीं संस्थाओं को इसके दायरे में रखा गया है जो सरकारी अनुदान और सहायता पर निर्भर हैं और इससे बीसीसीआई को काफी राहत मिली होगी।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में यह बिल रखा जिसके प्रावधान 15 (2) में कहा गया है कि ''किसी मान्यता प्राप्त खेल संगठन को इस अधिनियम के तहत अपने कार्यों, कर्तव्यों और शक्तियों के प्रयोग के संबंध में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा।

आरटीआई बीसीसीआई के लिए एक पेचीदा मुद्दा रहा है जिसने इसके अंतर्गत आने का लगातार विरोध किया है क्योंकि बोर्ड अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के विपरीत सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं है। विधेयक में संशोधन से इन आशंकाओं पर विराम लग गया।

एक जानकार सूत्र ने बताया, संशोधित प्रावधान सार्वजनिक प्राधिकरण को एक ऐसी संस्था के रूप में परिभाषित करता है जो सरकारी धन या सहायता पर निर्भर है। इस संशोधन के साथ सार्वजनिक प्राधिकरण की स्पष्ट परिभाषा हो गई है।

दो महिला यू-ट्यूबर गिरफ्तार, अफवाह फैलाने का आरोप

मेरठ (उप्र)/भाषा। मेरठ जिले में ब्रह्मपुरी थाने की पुलिस ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने के आरोप में दो महिला यू-ट्यूबर्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सौम्या अस्थाना ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गिरफ्तार महिलाओं में खत्ता रोड स्थित रशीद नगर निवासी लायबा (22) और माधवपुरम अंबेडकर नगर निवासी मीनाक्षी (22) शामिल हैं। दोनों पर भारतीय न्याय संहिता और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि परास्नातक की छात्रा लायबा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड किया था जिसमें उसने दावा किया कि रात के तीन बजे उसने ड्रोन उड़ाने वाले चोर को पकड़ लिया है। मीनाक्षी ने भी इसी तरह का वीडियो साझा किया है जिसमें उसने कथित ड्रोन चोर के बारे में बताया था। इंस्टाग्राम पर लायबा के 80 हजार और मीनाक्षी के 70 हजार फॉलोअर्स हैं।

अस्थाना ने बताया कि दोनों महिला यूट्यूबर्स द्वारा झूठी जानकारी दिए जाने के कारण लोगों में दहशत फैल रही थी। दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

ममता ने बंगाल के अधिकारियों को निलंबित करने के लिए निर्वाचन आयोग पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झारग्राम (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाता सूची तैयार करने में कथित चूक को लेकर राज्य सरकार के चार अधिकारियों और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर को निलंबित करने के लिए बुधवार को निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस कदम की वैधता पर सवाल उठाया और आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को डराया धमकाया जा रहा है। बनर्जी ने कहा, अधिकारियों को कल निलंबन नोटिस दिया गया था। क्या अभी चुनावों की घोषणा हुई है? कौन सा कानून उन्हें इस समय निलंबित करने की अनुमति देता है? आप सभी की रक्षा करना हमारी ज़िम्मेदारी है। हम ऐसा करेंगे। हम उन्हें निलंबित नहीं करेंगे। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने निर्वाचन आयोग पर सरकारी अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाया और कहा कि उनका प्रशासन अपने कर्मचारियों के साथ खड़ा रहेगा। बनर्जी ने कहा, चुनावों में अभी काफी समय है, फिर भी उन्होंने लोगों को निलंबित करना शुरू कर दिया है। वह (निर्वाचन आयोग) भाजपा का बंधुआ मजदूर है। वे अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री) और भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। गृह मंत्री को लगता है कि वे जो कहेंगे, वही होगा। बनर्जी की यह टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल में चार अधिकारियों - दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और दो सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) तथा एक डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं एक अस्थायी कर्मचारी को निलंबित करने के एक दिन बाद आई है। इन अधिकारियों पर क्रमशः दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के बरुईपुर पूर्व और मोयना विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार करते समय कथित रूप से अनियमितताएं बरतने का आरोप है।

हार के बाद आनलाइन घृणा का शिकार हुई टेनिस खिलाड़ी स्वितोलिना

मांट्रियल/एपी। यूक्रेन की टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने बताया है कि कनाडा में एक मैच हारने के बाद कैसे कुंठित सटोरियो ने आनलाइन उनके खिलाफ नफरत उगली, उनके मरने की कामना की और रूस द्वारा यूक्रेन में लोगों की हत्या का जश्न मनाया। नेशनल बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में नाओमी ओसाका से मिली हार के बाद स्वितोलिना को इस घृणा का सामना करना पड़ा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इन मैसेज के स्क्रीनशॉट्स साझा किए हैं। उनके लिए अपशब्द कहे गए और उनके पति गाएल मोंफिल्स को भी निशाना बनाया गया जो फ्रांस के अश्वेत टेनिस खिलाड़ी हैं। एक सटोरिये ने कहा कि काश रूस सभी यूक्रेनवासियों की हत्या कर दे। स्वितोलिना ने इसके जवाब में लिखा है, सभी सट्टेबाजों को मैं इतना ही कहूंगी कि एक खिलाड़ी होने से पहले मैं एक मां की। एक महिला से, एक मां से इस तरह की बात करना शर्मनाक है। अगर तुम्हारी मां तुम्हारे मैसेज पढेगी तो शर्मिंदा होगी।

सिराज का सामना करना बल्लेबाजों के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण : मोईन अली

लंदन/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व हरफनमौला मोईन अली का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की दिलेरी और विषमताओं में घुटने नहीं टेकने का उनका जज्बा उन्हें दूसरों से अलग करता है और किसी भी बल्लेबाज के लिए उनका सामना करना चुनौतीपूर्ण है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला 2 . 2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाने वाले सिराज ने 23 विकेट चटकाये। मोईन ने जीएफएस डेवलपमेंट्स द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, सिराज इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला में शानदार रहा है। उसकी ऊर्जा, आक्रामकता और निरंतरता शानदार रही है। वह भारत के लिए मैच विनर है और बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, ज्यादा प्रभावित करने वाली बात गेंद पर नियंत्रण की उसकी काबिलियत है। वह दिलेर है और कभी हार नहीं मानता।

गिल आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की शृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह शृंखला 22 से ड्रॉ की। गिल ने शृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने शृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा।

गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक शृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए। आईसीसी ने कहा, उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर ''सर्वकालिक महान'' विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

बुमराह के बिना भारत की जीत महज संयोग, उनकी क्षमता असाधारण: तेंदुलकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत का इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट जीतना महज 'संयोग' था और यह करिश्माई तेज गेंदबाज अब भी 'असाधारण और अविश्वसनीय' है।

बुमराह हाल में इंग्लैंड में खत्म हुई पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में से तीन मैच में ही खेले थे। शृंखला में कम अनुभव वाली भारतीय टीम इसके बावजूद इंग्लैंड से 2-2 से ड्रॉ खेलने में कामयाब रही। भारतीय टीम ने जो दो मैच जीते उनमें कार्यभार प्रबंधन योजना के कारण बुमराह का नहीं खेलना पहले से ही तय था। तेंदुलकर ने कहा कि बुमराह की अनुपस्थिति में बर्मिंघम और द ओवल में भारत की जीत महज संयोग थी। उन्होंने बुमराह के तीन टेस्ट मैच में प्रदर्शन के बारे में बात की। इस तेज गेंदबाज ने शृंखला में कुल 14 विकेट लिए।

तेंदुलकर ने 'रेडिट' पर शृंखला के अपने वीडियो विश्लेषण में कहा, बुमराह ने सही में अच्छी शुरुआत

की, पहले टेस्ट (पहली पारी में) में पांच विकेट लिए। वह दूसरा टेस्ट नहीं खेले लेकिन तीसरे और चौथे टेस्ट में खेले। फिर इन दो टेस्ट में से एक में उन्होंने पांच विकेट झटके। उन्होंने कहा, बुमराह ने जो तीन टेस्ट खेले, उनमें से दो में उन्होंने पांच विकेट लिए। मुझे पता है कि लोग कई बातों पर चर्चा कर रहे हैं कि हम उन टेस्ट मैच में जीते जिनमें वह नहीं खेले। मुझे लगता है कि यह महज एक संयोग है। तेंदुलकर ने कहा, बुमराह की गेंदबाजी असाधारण है। वह अब तक जो कर पाए हैं, वह अविश्वसनीय है। इसमें कोई शक नहीं है कि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मैं उन्हें किसी भी अन्य गेंदबाज से बेहतर मानता हूं। बुमराह की अनुपस्थिति में मोहम्मद सिराज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सभी पांच मैच में खेले जिसमें उन्होंने 185.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 23 विकेट झटके।

बुमराह आंकड़ों के हिसाब से सिराज से कहीं आगे हैं। उन्होंने 48 टेस्ट मैच में 219 विकेट लिए हैं जबकि सिराज के 41 मैच में 123 विकेट हैं।

योजना के अनुसार बुमराह की पांचवें और अंतिम टेस्ट में अनुपस्थिति उनके कार्यभार प्रबंधन को लेकर कुछ सवाल जरूर खड़े करती है लेकिन टीम प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया था कि इस शीर्ष तेज गेंदबाज के संबंध में जोखिम नहीं लिया जा सकता था।

सुविचार

तूफ़ान को रोक नहीं सकते, लेकिन नाव की दिशा बदल सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पहाड़ों का बदलता मिज़ाज

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बादल फटने से हुई जन-धन की हानि अत्यंत दु:खद है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे घटना के वीडियो देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। बाढ़ के साथ जिस तरह भारी मात्रा में मलबा बहकर आया, उसने कुछ ही सेकंडों में सबको अपनी चपेट में ले लिया। बड़ी-बड़ी इमारतें धराशायी हो गईं। इस घटना ने जून 2013 में केदारनाथ धाम में आई प्राकृतिक आपदा की यादें ताजा कर दीं। क्या हम हर बार यह भांपने में विफल हो रहे हैं कि पहाड़ों का मिज़ाज बदल रहा है? वहां प्राकृतिक संसाधनों के अतिदोहन, बहाव क्षेत्र में बसावट, पर्यावरण प्रदूषण के कारण बाढ़, भूस्खलन की घटनाओं से बहुत हानि हो रही है। पहाड़ों में बाढ़ पहले भी आती थी, लेकिन तब पानी बहाव क्षेत्र से होते हुए नीचे चला जाता था। अब बसावट बहुत हो गई है। होटल और होम स्टे की संख्या बढ़ गई है। हर साल गर्मियां शुरू होते ही हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिनमें लोग कई-कई घंटे फंसे रहते हैं। वे अपने शहरों की चिलचिलाती धूप से कुछ राहत पाने के लिए पहाड़ों का रुख करते हैं। यह देखकर ताज्जुब होता है कि वहां भी कमरों में एसी चलाते हैं! पहाड़ों पर प्लास्टिक का कचरा भी बहुत फैलाया जा रहा है। जब कोई इस पर आपत्ति जताता है तो कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि 'हमने हर चीज का पैसा दिया है, आनंद तो प्राप्त करेंगे ही!' पर्यटन के लिए जाना अच्छी बात है, लेकिन उसके लिए खास समय होना चाहिए। जानकार बताते हैं कि खूब बारिश के मौसम में पहाड़ों में जाएं तो सावधानी बरतें, क्योंकि पानी गिरने से पत्थर की पकड़ ढीली हो जाती है। बेहतर तो यह होगा कि इस मौसम में न जाएं।

पहले, पहाड़ों पर इतना कचरा नहीं होता था, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कम होता था, पेड़-पौधे खूब होते थे, जिससे भूस्खलन कम होता था। कुछ घटनाएं होती भी थीं तो वहां बसावट न होने से जनहानि की आशंका कम होती थी। हमें पहाड़ों के बदलते मिज़ाज को समझना होगा।

पहले, पहाड़ों पर इतना कचरा नहीं होता था, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कम होता था, पेड़-पौधे खूब होते थे, जिससे भूस्खलन कम होता था। कुछ घटनाएं होती भी थीं तो वहां बसावट न होने से जनहानि की आशंका कम होती थी। हमें पहाड़ों के बदलते मिज़ाज को समझना होगा। प्रकृति बाढ़ और भूस्खलन के जरिए जो संकेत दे रही है, उन पर ध्यान देना होगा। बहाव क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण नहीं होना चाहिए। कहते हैं कि पानी अपना रास्ता नहीं भूलता। वह सदियों बाद भी उसे ढूंढ़ लेता है। पहाड़ी ही नहीं, मैदानी इलाकों में ऐसी कई घटनाएं देखने को मिलती हैं कि किसी जगह वर्षों तक बाढ़ नहीं आई और लोगों को बहाव क्षेत्र की जानकारी नहीं रही। इस दौरान जगह-जगह इमारतें बना लीं। अधिकारियों की सुस्ती और भ्रष्टाचार के कारण अतिक्रमण हुआ। एक दिन अचानक बादल खूब बरसे और पूरा इलाका जलमग्न हो गया। पानी और इन्सान के लिए निकलने का रास्ता नहीं बचा। हमें प्रकृति का सम्मान करना होगा। आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे पहाड़ी और मैदानी, दोनों इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों का यह कहना चिंता बढ़ाता है कि पिछले कुछ वर्षों से बर्फबारी की मात्रा कम हुई है और बर्फ जल्दी पिघल रही है। कम बर्फ वाले ग्लेशियर जब सूरज की रोशनी के सीधे असर में आते हैं तो वे ज्यादा तेजी से पिघलने लगते हैं। अब धरती बचाने की जिम्मेदारी हम सबको लेनी होगी। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन सीमित करना होगा। जो लोग पहाड़ों में पर्यटन के लिए जाना चाहें, उनका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होना चाहिए। उनकी संख्या भी सीमित होनी चाहिए। अगर समय रहते कुछ जरूरी फैसले नहीं लिए तो भविष्य में प्राकृतिक आपदाएं और ज्यादा तबाही मचा सकती हैं।

ट्वीटर टॉक

स्वर्णनगरी जैसलमेर के स्थापना दिवस पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं। शौर्य, संस्कृति और स्वाभिमान की प्रतीक यह ऐतिहासिक नगरी अपनी सुनहरी पहचान से राजस्थान का गौरव बनी हुई है।जैसलमेर सदैव पर्यटन, समृद्धि और विकास की नई ऊँचाइयाँ छूता रहे।

-वसुंधरा राजे

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प लगातार भारत के खिलाफ अनर्गल बोल रहे हैं। ट्रम्प अभी तक 30 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का दावा कर चुके हैं। अब वो भारत के व्यापारिक हितों के खिलाफ फैसले कर रहे हैं।

-अशोक गहलोत

बाड़मेर रिफाइनरी भविष्य में भारत की पेट्रोलियम ज़रूरतों को पूरा करने के साथ-साथ निर्यात क्षमताओं को भी बढ़ावा देगी। इसके माध्यम से राजस्थान वैश्विक निवेश, तकनीकी सहयोग और टिकाऊ विकास का केंद्र बनेगा।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

परमार्थ की शिक्षा

गुरु ने अपने तीन शिष्यों को मनोयोग से संपूर्ण शिक्षा दी। शिष्यों ने भी गुरु के आश्रम में मन लगाकर ज्ञानार्जन किया। एक दिन गुरु ने तीनों शिष्यों को बुलाकर कहा कि तुम्हारी वेद-पुराणों व आध्यात्मिक ज्ञान की शिक्षा पूर्ण हुई, जिसमें तुम सफल रहे। अब तुम्हारी शिक्षा की परीक्षा जीवन की कसौटी पर होगी। गुरु ने उन्हें एक तीर्थस्थल पर जाने को कहा। तीर्थस्थल दूर था और शिष्यों को वहां से रात को लौटना था। एक जंगल से गुजरते हुए तीनों ने एक रास्ते पर बहुत सारे कांटे पड़े देखे। पहला शिष्य कूदकर पार निकल गया। दूसरा शिष्य किनारे से रास्ता तलाशकर आगे बढ़ गया। तीसरे शिष्य ने कहा कि रात होने को है, हमारे बाद आने वाले पथिक इन कांटों से घायल हो सकते हैं। उसने पूरे यत्न से सारे कांटे निकालकर दूर फेंक दिए। तभी झाड़ियों के पीछे से गुरुदेव निकले और तीसरे शिष्य को आशीष दिया कि तुम्हारी शिक्षा पूर्ण हुई, अब तुम घर जाओ। उन्होंने कहा, ज्ञान का लक्ष्य ही मानव कल्याण है। उन्होंने दोनों शिष्यों को यह कहकर आश्रम भेज दिया कि तुम्हारी शिक्षा अभी अधूरी है।

सामयिक

अचानक उत्तरकाशी के डोडी ताल इलाके में बादल फटने के बाद असी गंगा और भागीरथी में जल स्तर बढ़ गया था। लगातार होती रही बारिश की वजह से गंगा और यमुना का जल स्तर भी तेजी से बढ़ा। कुमाऊं हो या गढ़वाल मंडल, बारिश ने हर जगह तबाही मचाई। 16 और 17 जून 2013 को केदारनाथ क्षेत्र में सर्वाधिक तबाही हुई। केदारनाथ मंदिर सहित पूरी केदार घाटी में तीर्थयात्रियों सहित 5000 से अधिक लोगों की जान गई। हजारों घर, पुल, सड़कें और गांव तबाह हो गए। बादल फटने और फ्लैश फ्लड जैसी घटनाएं एक जटिल मुद्दा है।

ग्लोबल वॉर्मिंग का परिणाम है बादलों का फटना ?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

उत्तरकाशी जिले में एक गांव धराली, जिससे लगा हुआ इलाका है खीरगंगा। ट्रैकिंग पर जाने वालों के लिए सबसे पसंदीदा जगह। 5 अगस्त को अचानक यहां बादल फटा। फिर पलक झपकते ही सारा का सारा इलाका पानी के साथ बह गया। मकान तिनकों की तरह उखड़ गए। बाजार, बस्तियां, इंसान और मवेशी सभी उसमें बह गए। बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। जिस छोटे से पहाड़ी नाले ने इस भयावह आपदा को जन्म दिया उसे स्थानीय लोग खीर गाड़ भी कहते हैं। यह एक छोटा पहाड़ी नाला है जो 10-12 किलोमीटर ऊपर की पहाड़ियों के पन ढालों से निकलने वाली कई जलधाराओं से मिलकर बनता है। बरसात को छोड़कर साल के ज्यादातर मौसम में इसमें बहुत कम पानी रहता है। इसी के जल ग्रहण क्षेत्र में कहीं बादल फटने के कारण अचानक तेज गति के साथ बहने वाले पानी ने अपने साथ आई गाद, मिट्टी और पत्थरों के जरिए धराली को तबाह कर दिया। इस तबाही को लाने वाले सैलाब की गति इतनी तीव्र थी कि इसने थराली के लोगों को जान बचाने का भी मौका नहीं दिया। भागते-भागते लोग इस तबाही की चपेट में आ गए। खीर गाड़ या खीर गंगा जहां पर भागीरथी से मिलती है, उसी जगह पर धराली की बसाहट है। वर्ष 1990 से पहले भटवाड़ी गंगोत्री मोटर मार्ग पर धराली बहुत छोटी बस्ती थी। एफसीआई के एक-दो गोदाम, पंचायत भवन, 2-4 कच्ची पक्की दुकानें और एक स्कूल के अलावा वहां पर कुछ नहीं था। वहां से एक पैदल रास्ता मां गंगा के शीतकालीन निवास मुखवा के लिए जाता था। जिस पर खीर गाड़ पार करने के लिए लकड़ी के छोटे-छोटे दो-तीन पुल बने हुए थे और खीर गंगा वहां पर लगभग चार पांच सौ मीटर के दायरे में फैली हुई थी। इस पूरी दूरी में बड़े छोटे पत्थरों का जमावड़ा था और उनके बीच में कहीं-कहीं बहुत छोटी-छोटी जलधाराएं दिखाई देती थी। पत्थरों और रेत के उस विशाल रौखड़ से यह तो अवश्य लगता था कि पूर्व में कभी ना कभी इस नदी ने वहां पर अपना प्रचंड रूप दिखाया होगा और पत्थरों के रूप में प्रकृति ने अपनी चेतावनी छोड़ दी होगी। लेकिन हाल के वर्षों में पर्यटन की अंधी दौड़ और सैलानियों के प्रवाह ने स्थानीय लोगों को उस चेतावनी को भूलने पर मजबूर कर दिया। आपदा के प्रारंभिक वीडियो में साफ दिखता है कि पानी के प्रवाह में आने वाले ज्यादातर भवन इस इलाके में बने हैं जिसे प्रकृति ने अपनी चेतावनी के रूप में छोड़ा था। आपदा की चपेट में आने वाले अधिसंख्य भवन होमस्टे या स्थानीय लोगों के छोटे-छोटे होटल हैं। कुछ बड़े होटल भी आपदा की चपेट में आए हैं और आपदा का शिकार होने वाले ज्यादातर भवन नए बने हुए हैं।

बहुत तीव्र ढलान में बहने वाली खीरगाड़ का जलागम क्षेत्र बहुत अस्थिर नहीं है और वहां किसी तरह का मानवीय दखल भी नहीं है। हर की दून की तरफ जाने वाले कुछ पर्वतारोहियों और स्थानीय पशु चारकों के अलावा उस इलाके में लोगों की ज्यादा आवाजाही भी नहीं है। इसलिए प्रारंभिक तौर पर यह कहा जा सकता है कि आपदा का जन्म प्राकृतिक कारणों से हुआ है, लेकिन आपदा का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिस इलाके में हुआ वह प्रकृति के साथ मानवीय घुसपैठ का परिणाम है।खीर गंगा के अलावा हरसिल के ऊपरी इलाकों में भी कुछ छोटी नदियों में इसी तरह की बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ सैनिक इलाकों को भी नुकसान की खबरें हैं और इन सबसे ज्यादा डराने वाली खबर यह है कि हरसिल के पास भागीरथी का प्रवाह थम सा गया है और वहां पर एक झील बनने की आशंका है। बताया जाता है कि उत्तराखंड में बादल फटने की तबाही हर साल होती है। आखिर पहाड़ी ऊंचे इलाकों पर इतने ज्यादा बादल क्यों फटते हैं। इससे पहले बरसात के इस मौसम में हिमाचल प्रदेश में कई बादल फटने से तबाही की खबरें आ चुकी हैं। जब बादल फटते हैं तो अचानक अथाह पानी दावानल बनकर टूट पड़ता है। इससे इतनी तेज फोर्स के साथ अचानक बाढ़ आती सबकुछ बहा ले जाती है। कुछ नहीं बचता। मकान के मकान ताश के पत्तों की तरह उड़ जाते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाओं में एक दशक के भीतर तेजी से बढ़ोतरी हुई है। एक अनुमान के मुताबिक, अब उत्तराखंड और हिमाचल के पहाड़ों में डेढ़ गुना से ज्यादा बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं। बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं मॉनसून की बारिश के दौरान ही होती हैं। जानते हैं कि ऐसी घटनाओं में बढ़ोतरी क्यों हो रही है? साथ ही जानते हैं कि बादल कैसे, कब और क्यों फटता है? विज्ञान के मुताबिक, मौसम फटने की घटना क्या है? बादल फटना कितना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है? साथ ही जानते हैं कि इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए? बादल फटना भारी बारिश की गतिविधि को कहते हैं। हालांकि, बहुत भारी बारिश की सभी घटनाएं बादल फटना नहीं होतीं। बादल फटने की एक बहुत ही विशिष्ट परिभाषा है: लगभग 10 किमी क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेमी या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इस परिभाषा के अनुसार, उसी क्षेत्र में आधे घंटे की अवधि में 5 सेमी बारिश को भी बादल फटने की श्रेणी में रखा जाएगा।बादल फटने की घटना के दौरान, किसी स्थान पर एक घंटे के भीतर वार्षिक वर्षा का लगभग 10% वर्षा हो जाती है। औसतन, भारत में किसी भी स्थान पर एक साल में लगभग 116 सेमी वर्षा होने की उम्मीद की जा सकती है। बादल फटना कोई असामान्य घटना नहीं है, खासकर मानसून के महीनों में। ये घटनाएं ज़्यादातर हिमालयी राज्यों में होती हैं जहां स्थानीय स्थलाकृति, विंड सिस्टम और निचले व ऊपरी वायुमंडल के बीच टेम्परेचर ग्रेडिएंट ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। हालाँकि, हर घटना जिसे बादल फटना कहा जाता है, वास्तव में परिभाषा के अनुसार बादल फटना नहीं होती। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये घटनाएँ काफी लोकल होती हैं। ये बहुत छोटे क्षेत्रों में होती हैं जहां अक्सर बारिश मापने वाले उपकरण नहीं होते। इसके अलावा साल 2023 में जारी एक शोध पत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (खखढ) जम्मू और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (छखक) रुड़की के शोधकर्ताओं ने बादल फटने की घटना को एक छोटी-सी अवधि में 100-250 मिलीमीटर प्रति घंटे की दर से अचानक होने वाली बारिश के रूप में परिभाषित किया है, जो एक वर्ग किलोमीटर के छोटे-से दायरे में दर्ज की जाती है। इस शोधपत्र को 'इंटरनेशल हैंडबुक ऑफ डिजास्टर रिसर्च' में प्रकाशित किया गया है।

गंगा के मायके में भागीरथी नदी का यह जल ग्रहण क्षेत्र पहले भी इस तरह की घटनाओं का गवाह रहा है। 6 अगस्त 1978 को धराली से कुछ किलोमीटर नीचे भागीरथी नदी की ही एक बहुत छोटी सहायक कनोडिया गाड़ में बादल फटने के कारण एक अस्थाई अवरोध बन गया था । जिसने टूट कर अंततः भागीरथी के जल प्रवाह को रोक दिया और बाद में 6 और 10 अगस्त को वह पूरी भागीरथी घाटी में एक बहुत बड़ी बाढ़ के रूप में तबाही लेकर आया था । 17 जून 2013 को भी उत्तराखंड में अचानक हुई मूसलधार वर्षा 340 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गयी जो सामान्य 6519 मिमी से 375 प्रतिशत ज्यादा थी। जिसके कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई। इसी दौरान अचानक उत्तरकाशी के डोडी ताल इलाके में बादल फटने के बाद असी गंगा और भागीरथी में जल स्तर बढ़ गया था। लगातार होती रही बारिश की वजह से गंगा और यमुना का जल स्तर भी तेजी से बढ़ा। कुमाऊं हो या गढ़वाल मंडल, बारिश ने हर जगह तबाही मचाई। 16 और 17 जून 2013 को केदारनाथ क्षेत्र में सर्वाधिक तबाही हुई। केदारनाथ मंदिर सहित पूरी केदार घाटी में तीर्थयात्रियों सहित 5000 से अधिक लोगों की जान गई। हजारों घर, पुल, सड़कें और गांव तबाह हो गए। बादल फटने और फ्लैश फ्लड जैसी घटनाएं एक जटिल मुद्दा है, जिसमें ग्लोबल वार्मिंग और प्रकृति से छेड़छाड़ दोनों ही भूमिका निभाते हैं। इसके लिए जलवायु परिवर्तन को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है ।फ्लैश फ्लड एक ऐसी आपदा है जो अचानक आती है और भारी नुकसान करती है। मंडी जैसी घटनाएं हमें सिखाती हैं कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ और ग्लोबल वॉर्मिंग के परिणाम कितने खतरनाक हो सकते हैं। लेकिन अगर प्रशासन और लोग मिलकर पहले से तैयारी करें, तो इस तरह की आपदाओं के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मौसम की सटीक जानकारी, बेहतर जल प्रबंधन, और पर्यावरण संरक्षण जैसे कदम हमें इस मुसीबत से लड़ने में मदद कर सकते हैं। आइए, हम सब मिलकर अपनी धरती और अपने लोगों को सुरक्षित रखने की कोशिश करें।

नजरिया

रक्षाबंधनः नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है। आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर

पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरु की कथा इस बात को दर्शाती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है। रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाज़ारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें। आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में 'अवनी अविट्टम' के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को 'बलेव' के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा।

आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

संबोधन

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केसी वेणुगोपाल, और भारतीय जनता पार्टी के नेता अरविंद सावंत, संगीता घोष, त्रिची शिवा, मनोज झा और अन्य बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन के विजय चौक पर एसआईआर मुद्दे पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए।

रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की अमेरिकी समयसीमा से पहले ट्रंप के दूत ने पुतिन से मुलाकात की

मॉस्को, छह अगस्त (एपी) क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यहां मुलाकात की। यह बैठक व्हाइट हाउस द्वारा रूस को यूक्रेन के साथ शांति समझौता करने के लिए दी गई समय सीमा से कुछ दिन पहले हो रही है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि शांति समझौता नहीं करने पर रूस को गंभीर आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है, जिससे रूस से तेल खरीदने वाले देश भी प्रभावित हो सकते हैं। रूस के लिए ट्रंप की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त होगी। पुतिन और विटकॉफ के बीच बैठक लगभग तीन घंटे तक चली। किसी भी पक्ष ने बातचीत का तत्काल ब्योरा नहीं दिया है।

ट्रंप ने यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर रूस के बढ़ते हमलों पर पुतिन के प्रति निराशा व्यक्त की है। ये हमले ऐसे समय में तेज हुए हैं, जब ट्रंप ने हाल के महीनों में पुतिन से नरम रुख अपनाने का आग्रह किया है। वहीं, यूक्रेन के जेपोरिजिया प्रांत के गवर्नर ईवान फेडोरोव ने बताया कि मंगलवार मध्यरात्रि से बुधवार के बीच रूसी बलों ने प्रांत में एक मनोरंजन केंद्र पर हमला किया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। रूसी सेना ने इस क्षेत्र पर कम से कम चार हमले किए और शुरुआत में शक्तिशाली ग्लाइड बमों से हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा, यह हमला समझ से परे है। यह केवल डराने-धमकाने के लिए क्रूरता है।

लंबे समय तक गोद में लैपटॉप और जेब में फोन रखने से टूट सकता है पिता बनने का सपना: अध्ययन

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता विश्वविद्यालय (सीयू) के प्राणि विज्ञान विभाग की आनुवंशिकी अनुसंधान इकाई और कोलकाता स्थित प्रजनन चिकित्सा संस्थान (आईआरएम) द्वारा किए गए एक संयुक्त अध्ययन में दावा किया गया है कि पैंट की जेब में लंबे समय तक मोबाइल फोन रखने और लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से पुरुष की प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक असर होता है और यहां तक उनके नपुंसक होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

इस अध्ययन की शुरुआत 2019 में प्रोफेसर सुजय घोष (कलकत्ता विश्वविद्यालय) के नेतृत्व में हुई थी और पांच साल तक हुए अध्ययन में डॉ रत्ना चट्टोपाध्याय (आईआरएम), डॉ समुद्र पाल (कलकत्ता विश्वविद्यालय), डॉ परनब पलाधी (आईआरएम) और डॉ सौरव दत्ता (कलकत्ता विश्वविद्यालय) ने सहयोग किया।

अध्ययन के नतीजों की प्रति बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को उपलब्ध कराई गई।

अनुसंधान पत्र के मुताबिक, पुरुष बांझपन के इलाज के लिए आईआरएम आने वाले लोगों को अध्ययन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस दौरान महिला बांझपन की वजह से संतान पैदा होने में आने वाली समस्या वाले जोड़ों और पुरुष बांझपन (शारीरिक दोषों के कारण) के मामलों को इसमें शामिल नहीं किया। अध्ययन में विशेष रूप से अज्ञात कारणों से होने वाले पुरुष बांझपन के मामलों पर ध्यान केंद्रित किया गया, विशेष रूप से एज़ोस्पर्मिया (वीर्य में शुक्राणुओं की अनुपस्थिति) या ओलिगोज़ोस्पर्मिया (शुक्राणुओं की कम संख्या) वाले मामलों पर।

अध्ययन का नेतृत्व करने वाले डॉ.घोष ने बताया कि अध्ययन में उन मरीजों को भी शामिल नहीं किया गया जिनमें आनुवंशिक निदान परीक्षणों से ज्ञात संक्रामक रोगों की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि उपरोक्त मरीजों से इतर कुल करीब 1,200 मरीजों को अध्ययन में शामिल किया गया।

प्रोफेसर घोष ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अध्ययन में शामिल पुरुषों से एक व्यापक प्रश्नावली के माध्यम से साक्षात्कार किया गया, जिसमें जीवनशैली, आदतों, व्यसनों, आहार संबंधी प्राथमिकताओं, यौन गतिविधि, व्यवसाय और मनोवैज्ञानिक कारकों के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया - जिन्हें सामूहिक रूप से महामारी विज्ञान डेटा कहा जाता है। उन्होंने बताया कि पुनरावृत्ति और झूठी जानकारी की आशंका को समाप्त करने के लिए प्रतिक्रियाओं को उपयुक्त सांख्यिकीय परीक्षणों के माध्यम से छांटा गया।

इसके बाद प्रतिभागियों के वीर्य और रक्त के नमूने लिए गए। दोनों स्रोतों से डीएनए निकाला गया और उत्परिवर्तनों की पहचान के लिए अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (ए हाई-थ्रूपुट जेनेटिक एनलिसिस टेक्नीक) से किया गया। उन्होंने कहा कि कई जीन उत्परिवर्तनों की पहचान की गई, जिनका विश्लेषण उपयुक्त सांख्यिकीय मॉडलों का उपयोग करके महामारी विज्ञान और जीवनशैली संबंधी आंकड़ों के साथ किया गया।

केदारनाथ से धराली तक: उत्तराखंड की अनसुनी चेतावनियां और बढ़ती आपदाएं

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में बादल फटने के बाद खीर गंगा नदी में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के मंजर ने 2013 की केदारनाथ आपदा की पीड़िता गीता की दर्दनाक यादें फिर से ताजा कर दीं।

केदारनाथ में आई जल प्रलय 2004 की सुनामी के बाद भारत की सबसे भीषण त्रासदी थी। इसमें गीता ने अपने परिवार के चार सदस्यों को खो दिया था।

दिल्ली में एक घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली गीता ने मंगलवार को टेलीविजन पर धराली में आई आपदा के दृश्य देखने के बाद कहा, केदारनाथ में भी ऐसा ही हुआ था। केदारनाथ में 2013 में आई आपदा मानसूनी बारिश में तीव्र वृद्धि और पश्चिमी विक्षोभ के संयुक्त प्रभाव का नतीजा थी, जिसके कारण 24 घंटे की अवधि में 300 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई थी। अत्यधिक बारिश और तेजी से पिघलती बर्फ के कारण चोराबारी झील का मोराइन बांध टूट गया था और क्षेत्र में भीषण बाढ़ आने से लगभग 5,700 लोगों की मौत हो गई थी।

केदारनाथ आपदा से प्रभावित गीता (45) और उसका परिवार नए सिरे से जिंदगी की शुरुआत करने के लिए दिल्ली आ गया। हालांकि, हिमालयी राज्य में जब भी कोई आपदा आती है, तो गीता के जहन में उस दर्दनाक मंजर की यादें फिर से ताजा हो जाती हैं। पिछले 12 वर्षों में आई आपदाओं ने हिमालयी क्षेत्र की नाजुक प्रवृत्ति को रेखांकित किया है। 18 अगस्त 2019 को उत्तरकाशी के आराकोट क्षेत्र के टिकोची और मकुडी गांवों में बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 38 गांवों के निवासी प्रभावित हुए। फरवरी 2021 में एक 'हैंगिंग ग्लेशियर' के टूटने के कारण चमोली जिले में ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं-ऋषिगंगा और तपोवन विष्णुगाड-को भारी नुकसान पहुंचा। प्रभावित क्षेत्रों से 80 शव बरामद किए गए, जबकि 204 लोग लापता हो गए।

अगस्त 2022 में मालदेवता-सोंग-बाल्डी नदी प्रणाली में बादल फटने के कारण अचानक आई बाढ़ ने देहरादून के पास मालदेवता शहर के बड़े हिस्से को बहा दिया। इस आपदा में 15 किलोमीटर का क्षेत्र प्रभावित हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि धराली में आई आपदा बहुत हद तक 2021 की चमोली त्रासदी से मेल खाती है।

सलमान खान संग बड़े पर्दे पर नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल 'बैटल ऑफ गलवान' है। उन्होंने फिल्म को साहस और वीरता की एक सच्ची और जमीनी कहानी बताया। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को चित्रांगदा ने रियल हीरोज का सम्मान बताया। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह का कहना है कि उन्हें इस फिल्म में सबसे खास चीज जो नजर आई है, वह थी इसकी भावनात्मक गहराई और मजबूत थीम।

चित्रांगदा ने फिल्म के बारे में बताया, यह एक ऐसी कहानी है जो साहस और वीरता को दर्शाती है। आर्मी बैकग्राउंड होने की वजह से मैंने इस फिल्म से जुड़ने के बारे में सोचा। मैंने इस घटना के बारे में पहले काफी सुना था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है।

चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा, फिल्म की कहानी सुनकर गर्व होता है, और मैं फिल्म में अपनी भूमिका को एक किरदार से बढ़कर मानती हूं, क्योंकि फिल्म का उद्देश्य केवल वास्तविक नायकों को सम्मान देना और कम चर्चित कहानियों को मुख्यधारा में लाने का एक प्रयास है। फिल्म में सलमान खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में चित्रांगदा ने कहा, सलमान जिस प्रोजेक्ट का हिस्सा होते हैं, वह अपने आप में बड़ा बन जाता है। चाहे अभिनेता हो या तकनीशियन, सब कुछ बड़े स्तर पर होता है। यह कहानी ऐसी है जिसे बताया जाना चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा हूं।

इससे पहले सलमान खान फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इंडिया गेट से चित्रांगदा सिंह की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की। साथ में लिखा, 'सादगी और शालीनता का रूप चित्रांगदा सिंह का 'बैटल ऑफ गलवान' की टीम में स्वागत है।' बता दें कि इस फिल्म से पहले चित्रांगदा ने अपनी फिल्म 'रात अकेली है-2' के निर्देशक हनी त्रेहन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया था। उन्होंने बताया था कि इस फिल्म में एक शॉट के लिए उन्हें 28 रीटेक देने पड़े थे, उनके करियर में ऐसा पहली बार हुआ था। अभिनेत्री ने कहा था, हनी बहुत सख्त निर्देशक हैं। इस चुनौतीपूर्ण किरदार ने मेरे अभिनय को और बेहतर बना दिया था। चित्रांगदा का मानना है कि वास्तविक जीवन पर आधारित कहानियां उन्हें एक कलाकार के रूप में प्रेरित करती हैं। ऐसी कहानियां दर्शकों के लिए एक नई दुनिया तैयार करती है और इन्हें बताना जरूरी है।

वरुण धवन ने 'बॉर्डर 2' का अमृतसर शेड्यूल पूरा किया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता वरुण धवन ने अपकमिंग वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर-2' की अमृतसर की शूटिंग खत्म कर ली है। बुधवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर अमृतसर सेट से रैप-अप पार्टी की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। वीडियो में निर्माता भूषण कुमार, अभिनेत्री मेधा राणा और वरुण धवन नजर आ रहे हैं, वहीं अभिनेता वरुण धवन केक काटते हुए कह रहे हैं, शूटिंग खत्म हुई, भारत माता की जय। फिल्म 'बॉर्डर-2' में अभिनेत्री मेधा राणा वरुण संग खास रोल में नजर आएंगी। वहीं, कुछ समय पहले निर्माता भूषण कुमार ने फिल्म में अभिनेत्री के चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, हमें फिल्म में एक ऐसी लड़की चाहिए थी जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके। वहीं, मेधा भी हमारी उम्मीदों पर खरी उतरीं। उन्होंने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया, खासकर क्षेत्र की बोली, बोलने के तरीके और अभिनय में भावों की गहराई ने सभी को चौंका दिया। हमें पूरा विश्वास है कि मेधा इस रोल में बिल्कुल परफेक्ट हैं।

प्रोड्यूसर निधि दत्त ने भी फिल्म में मेधा के अभिनय की तारीफ की थी, जिसमें उन्होंने कहा, फिल्म में निर्देशक से लेकर सभी कलाकारों का चुनाव इस वजह से किया गया है ताकि एक ऐसी कहानी दिखाई जा सके, जो सच्ची और प्रेरणादायक लगे। मेधा राणा और वरुण साथ मिलकर फिल्म में एक नई ताजगी लेकर आएंगे, यह जोड़ी कहानी को और भी खूबसूरत बना देगी। यह फिल्म मेधा के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि वह एक सैन्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं। फिल्म 'बॉर्डर 2' के निर्देशक अनुराग सिंह हैं और इसका निर्माण गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले हो रहा है। 'बॉर्डर 2' जेपी दत्ता की 1997 की ब्लॉकबस्टर 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म थी। उसमें सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी गुलजार, पूजा भट्ट और शरबानी मुखर्जी लीड रोल में थे। वहीं 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी हैं। यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जैकलीन के पोल वर्कआउट मूव्स से बनाएं खुद की फिटनेस

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिटनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं। पहले अदाकारा के लिए खूबसूरती ही सबसे महत्वपूर्ण होती थी, लेकिन अब फिटनेस भी उतनी ही जरूरी हो गई है। दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, शिल्पा शेट्टी और मलाइका अरोड़ा रोजाना वर्कआउट और हेल्दी डाइट से अपने शरीर को फिट रखती हैं। ये सिर्फ जिम तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि योग, पिलाटेस और अब पोल वर्कआउट जैसे कई वर्कआउट्स अपनाकर अपनी फिटनेस को बनाए रखती हैं। फिटनेस सिर्फ शरीर की खूबसूरती नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। फिटनेस की बात हो, तो जैकलीन फर्नांडीज का नाम जरूर लिया जाता है। वह न केवल अपनी एक्टिंग बल्कि अपनी बेहतरीन फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। जैकलीन की पसंदीदा एक्सरसाइज पोल वर्कआउट है। वह अक्सर इंस्टाग्राम पर पोल वर्कआउट के वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में जैकलीन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोल वर्कआउट का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह पोल पर अलग-अलग मूव्स करती दिखाई दे रही थीं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पूरी ताकत और ट्रेनिंग। बेहद मुश्किल, लेकिन एक बार करने के बाद यह सब सार्थक हो जाता है।

अब बात करें, अगर पोल वर्कआउट की, तो यह न केवल एक डांस फॉर्म है, बल्कि एक संपूर्ण बॉडी वर्कआउट भी है, जो ताकत, लचीलापन, और संतुलन को सुधारने में मदद करता है। अमेरिका नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, पोल वर्कआउट शरीर के सभी हिस्सों को मजबूत बनाने के लिए एक प्रभावी तरीका है। पोल के सहारे शरीर को कई मुद्राओं में घुमाना, संतुलन बनाए रखना और फ्लेक्सिबल मूव्स करना होता है। यह व्यायाम शरीर के कई मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिनमें बाजू, कंधे, पीठ, कोर और पैर शामिल हैं। पोल वर्कआउट करने के लिए सबसे पहले शारीरिक ताकत और लचीलेपन की आवश्यकता होती है, साथ ही संतुलन का अभ्यास भी जरूरी होता है। इसमें शरीर का पूरा वजन पोल पर रखा जाता है, जिससे मसल्स पर तनाव बढ़ता है और धीरे-धीरे उनकी मजबूती बढ़ती है। यह एक तरह से कैलिस्थेनिक्स का हिस्सा है।

इसमें शरीर के अंगों को अलग-अलग दिशा में मोड़ना होता है, जिससे मसल्स स्ट्रेच होते हैं और लचीलापन बढ़ता है। साथ ही, यह वजन घटाने में भी मददगार साबित होता है। इस वर्कआउट के दौरान शरीर की कैलोरी बर्न होती है और फैट कम होता है। यह वर्कआउट जितना चैलेंजिंग होता है, उतना ही असरदार भी है। आजकल पोल वर्कआउट की लोकप्रियता बढ़ रही है, खासकर उन लोगों के बीच जो एक साथ ताकत, लचीलापन और कार्डियो फिटनेस चाहते हैं। यह एक एंटरटेनिंग और चैलेंजिंग तरीके से शरीर को टोन करने का बेहतरीन तरीका है।

'सारे जहां से अच्छा' में मेरा किरदार लंबा नहीं, लेकिन असरदार है : कृतिका कामरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कृतिका कामरा इन दिनों 'सारे जहां से अच्छा' सीरीज के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस सीरीज में काम करके खुशी और आत्मविश्वास महसूस हुआ। साथ ही बताया कि इसमें सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि कई मुख्य कलाकार हैं। कृतिका कामरा ने कहा, मैंने पहले भी कई ऐसी कहानियों में काम किया है जिनमें महिला किरदार बहुत मजबूत रहे हैं, और ये अनुभव मेरा आत्मविश्वास को बढ़ाता है। लेकिन मेरे लिए ये सबसे जरूरी है कि जो रोल मुझे मिल रहा है, वो दमदार हो और कहानी ऐसी हो जो मुझे पसंद आए और जिसपर मैं भरोसा कर सकूं। उन्होंने कहा कि 'सारे जहां से अच्छा' देशभक्ति से भरी कहानी है। इसमें कई पहलू हैं; हर किरदार और घटना के पीछे कई रहस्य छिपे हैं। कृतिका ने कहा, भले ही मेरा रोल ज्यादा लंबा न हो, लेकिन कहानी में मेरे किरदार का असर काफी बड़ा है, इसलिए मुझे अपने किरदार को लेकर पूरा विश्वास है कि वह दर्शकों के दिलों में उतरेगा। मैं खुद को इस सीरीज का जरूरी हिस्सा मानती हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए किरदार की लंबाई नहीं, बल्कि उसका असरदार और मकसद होना ज्यादा जरूरी है। एक एक्टर के तौर पर मुझे वही रोल पसंद आते हैं जो कुछ मतलब रखते हों। मैं सच में चाहती हूं कि ये शो जल्दी लोगों तक पहुंचे, क्योंकि इसकी कहानी बहुत मजबूत और प्रेरणादायक है। इस सीरीज में कृतिका कामरा के अलावा, प्रतीक गांधी, रजत कपूर, सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, तिलोत्तमा शोम और अनूप सोनी अहम रोल में हैं।

रूपाली गांगुली ने टीवी कलाकारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की वकालत की

नई दिल्ली/भाषा। सरकार को एक पुरस्कार के माध्यम से छोटे पर्दे (टीवी) के सितारों को मान्यता देनी चाहिए क्योंकि वे मनोरंजन उद्योग में योगदान देने के लिए उतनी ही मेहनत करते हैं। 'अनुपमा' धारावाहिक की अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने यह बात कही।

छोटे पर्दे के सबसे बड़े सितारों में से एक गांगुली ने कहा कि कड़ी मेहनत के बावजूद टीवी सितारों को वह पहचान नहीं मिलती जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, फिल्मी सितारों से लेकर विशेष सामग्री लिखने वालों (कंटेंट क्रिएटर) तक सभी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। लेकिन टीवी कलाकारों के लिए कुछ भी नहीं है।

गांगुली ने सेलिब्रिटी फोटोग्राफर वायरल भयानी के अकाउंट पर कहा, जब कोई फिल्म स्टार लगातार काम करता है तो वह सुर्खियां बनता है। लेकिन किसी ने इस बारे में बात नहीं की कि हम, टीवी कलाकारों ने महामारी के दौरान सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक बिना रुके कैसे काम किया। मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि वह हमारे बारे में भी विचार करे। हम बहुत मेहनत करते हैं और कुछ मान्यता मिलना अच्छा होगा।

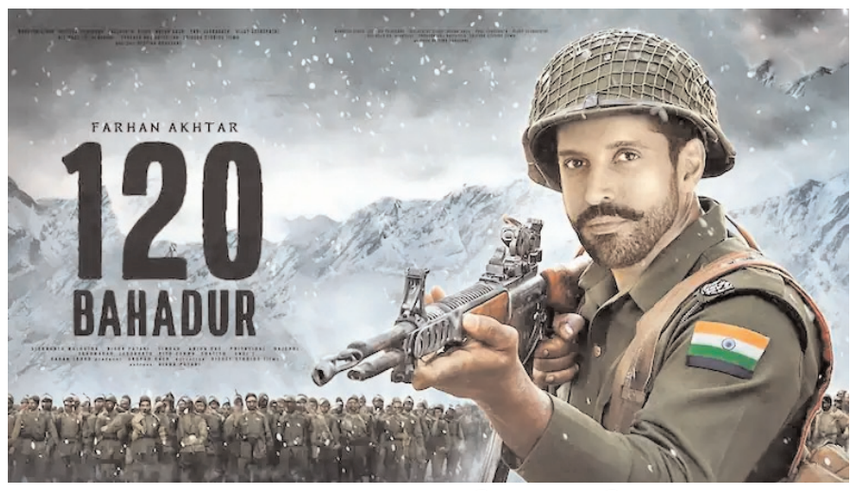

120 बहादुर : 'वर्दी सिर्फ हिम्मत नहीं, बलिदान भी मांगती है'

मुंबई/एजेन्सी

मेजर शैतान सिंह भाटी और देश के सैनिकों की बहादुरी और बलिदान पर आधारित फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' का टीजर जारी हो चुका है। दमदार डायलॉग्स और सीन्स से भरपूर टीजर में फरहान कहते हैं, 'वर्दी सिर्फ हिम्मत नहीं, बलिदान भी मांगती है।' एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने '120 बहादुर' का नया दमदार टीजर जारी कर दिया है, जिसमें फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी (परमवीर चक्र विजेता) के किरदार में हैं। टीजर में दमदार डायलॉग और युद्ध के सीन्स दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। 2 मिनट 8 सेकंड के टीजर की शुरुआत सवाल के साथ होती है, 18 नवंबर को रेजांग ला में क्या हुआ था? इसके बाद माइनस 24 डिग्री की कठिन परिस्थितियों में सैनिकों के हौसले को दिखाया गया है। फरहान का डायलॉग, मेरे पिताजी कहते थे कि ये वर्दी सिर्फ हिम्मत नहीं, बल्कि बलिदान भी मांगती है। मुझे आखिरी दम तक लड़ना मंजूर है, मगर पीछे हटना नहीं, सैनिकों की वीरता और समर्पण को दिखाती है।

इसके बाद 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध के सीन के बीच आवाज आती है, मैं चाहता हूं कि ये कहानी सच हो, मगर बिना किसी सबूत के कैसे? मेजर शैतान सिंह भाटी और देश के सैनिकों की बहादुरी और बलिदान पर आधारित फिल्म में फरहान अख्तर लीड रोल में हैं। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म सन 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले 120 बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो निर्मित '120 बहादुर' फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रजनीश 'राजी' घई ने किया है और इसका निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो के साथ मिलकर किया है। फिल्म की शूटिंग 14,000 फीट की ऊंचाई पर माइनस 5 से 10 डिग्री तापमान में की गई, जिसके लिए फरहान ने शारीरिक और मानसिक रूप से मेहनत की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई | गुरुवार | 07-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

गृहस्थ आग का गोला है। वह बोले बिना नहीं रह सकता। साधु को गोचरी मिले तो संयम वृत्ति, न मिले तो तप वृत्ति अपनानी चाहिए। वे स्वाद के लिए नहीं, संयम के लिए ग्रहण करते हैं। साधु के लिए प्रमाण से अधिक या विगई का सेवन करना अकल्पित है। जो साधु छोटी बातों पर गुस्सा करें, स्वाद के अनुसार भोजन करे, मनमानी करे, उनके समीप नहीं रहना चाहिए। साथ ही यह भी कहा, साधु अपने आचरण से गिरे तो उनका प्रचार नहीं करना चाहिए, उन्हें नीचा दिखाना भी अनुचित है।

टाटा ऑटोकॉम् तथा इचिकोह इंडस्ट्रीज ने भारत में ऑटोमोटिव लाइटिंग के लिए साझेदारी की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स लिमिटेड ने जापान की इचिकोह इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ मिलकर वेलियो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वेलियो लाइटिंग सिस्टम्स व्यवसाय के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में वेलियो के लाइटिंग व्यवसाय में साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी टाटा ऑटोकांप और इचिकोह इंडस्ट्रीज के बीच गठित होने वाली 50-50 संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से पूरा होगा। यह साझेदारी भारत में ऑटोमोटिव लाइटिंग बाज़ार की ज़रूरतों को पूरा करेगी। संयुक्त उद्यम पर टिप्पणी करते हुए टाटा ऑटोकॉम्प के उपाध्यक्ष अरविंद गोयल ने कहा है कि इस संयुक्त उद्यम का गठन भारत में ऑटोमोटिव ओईएम को समकालीन उत्पाद और प्रौद्योगिकियां प्रदान करने की दिशा में टाटा ऑटोकॉम्प द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।

रेला अस्पताल द्वारा वॉकथान का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय रेला अस्पताल द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में मातृ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु वॉकथान का आयोजन किया गया।

इस वॉकथान में पांच सौ से अधिक विद्यार्थी, चिकित्सा पेशेवरों तथा अस्पताल के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस वॉकथान में स्तनपान को सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में प्रचारित करने का संदेश दिया गया तथा नीति निर्माताओं को स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में स्तनपान को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचानने के लिए आग्रह किया। रेडहिल्स पुलिस स्टेशन से अस्पताल परिसर तक पांच किलोमीटर के इस वॉकथन में प्रतिभागियों ने बैनर एवं सूचनात्मक तख्तियों के साथ मार्च किया जिन पर मां एवं बच्चे दोनों के लिए स्तनपान कें लाभ के संदेश लिखे थे ।

रेडहिल्स के पुलिस निरीक्षक विजय कुमार तथा रेला अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी एस राजगोपालन ने वॉकथान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

संवेदना जीवन का सच्चा श्रृंगार व धर्म का आधार है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट स्थित जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि संवेदनाहीन मानव कठोर दिल वाला होता है। उन्होंने कहा कि संवेदना जीवन का सच्चा श्रृंगार है, धर्म का आधार है ,साधना का प्राण है, आराधना के लिए प्रवेश द्वार है।

उन्होंने कहा कि संवेदना के बिना आध्यात्मिक जगत की मंजिल कभी प्राप्त नहीं कर सकता और उसमें सद्भाव प्रेम करुणा वात्सल्य भावों का समावेश उसके विचारों में नहीं हो सकता, वह निर्दय दिल रक्षा और शैतान से काम नहीं है। मुनि कमलेशजी ने बताया कि जितने जितने अंशो में संवेदना अंतर मन में विकसित होती जाएगी धर्म और परमात्मा के नजदीक होता जाएगा श्रसंवेदना से बढ़कर दुनिया में और कोई तीर्थ नहीं है इसी में मोक्ष का निवास है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि विश्व के सभी धर्म और महापुरुषों ने संवेदना के मार्ग पर चलकर उसकी रक्षा के लिए अपने आप को न्योछावर कर दिया और दुनिया में अमर हो गए। संत ने कहा कि संवेदना ही मानव पशु जगत से भी गया बीता है। वह कितनी कठोर साधना कर ले तपस्या कर ले तीर्थ यात्रा कर ले सब निरर्थक है। उल्टे घडे पर पानी डालने के समान है। 5 अगस्त को संत कमलमुनिजी कमलेश ने महाराष्ट्र सरकार को सलाह दी थी कि कबूतरों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए, उस पर संज्ञान लेते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में कबूतर खाने बंद करना का आदेश दिया। इस पहल के लिए अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली की ओर से देवेन्द्र फडणवीस का अभिनंदन किया जाएगा।

आवश्यकता सीमित है, आकाक्षाएँ अनंत है : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चातुमासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने कहा कि आवश्यकता सीमित है, आकाक्षाएँ अनंत है। इस संसार में व्यक्ति की आवश्कताएँ दुःखी नहीं हैं आकाक्षा के कारण दुःख का अनुभव करता है। व्यक्ति एक की इच्छा की पूर्ति होती है तो 11 इच्छाएँ जाग जाती है। हमारे मन को पवित्र बनाएँ रखना चाहिए। जैसे जैसे व्यक्ति का लाभ बढ़ता जाता है वैसे लोभ बढ़ता जाता है। हम तन से जितने दुखी नहीं होते हैं उतने मन से दुखी होते हैं। आकाक्षाएँ असीमित है उसके कारण दुःखी होता है। हमारे विचार अच्छे होंगे तो हमारा सब कुछ अच्छा होगा। हमारी सुविधाएँ बढ़ती जायेंगी उतना दुःख का अनुभव करना होगा। भगवान नें कष्टों को सहन किए। पर दूसरे को कभी भी गलत नहीं समझा। मन, वचन, काया से हमें भी गलत नहीं सोचना चाहिए। हमारी आवश्यकताएँ रोटी, कपड़ा मकान की है। लेकिन आकाक्षाएँ अनंत है असीमित है। ज्ञानी भगवंत हमेशा खुश और प्रसन्न रहते हैं क्योंकि आकाक्षाएँ नहीं है।

साध्वी ऋषिता श्री जी ने कहा कि इस संसार में अटकाने भटकाने के बहुत रास्ते हैं तों हमारे जीवन में लक्ष्य बनाना हैं तो जीवन में इंस्टाल हैप्पीनेस लानी होगी। व्यक्ति के खुद के अंदर सुख छिपा है उसे ढूंढे और प्रसन्न रहें। धर्म सभा मे अहमदाबाद से शांतिलाल पालरेचा आदि अनेक श्रावक पधारे जिनका स्वागत संघ के अध्यक्ष राजेशज बोहरा ने शब्दों से किया। सुनील हिंगड़ ने संचालन किया।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में बुधवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि समय से पहले और भाग्य से अधिक किसी को कुछ नहीं मिलता। आधुनिक समाज में सफलताओं को लेकर ऊहापोह और अपेक्षाएं बहुत अधिक हैं। सभी को बहुत कुछ पाने की चाह है, जबकि ज्यादातर लोगों में परिश्रमशीलता का अभाव है। सबको कम मेहनत में अधिक से अधिक प्राप्त करना है, जबकि ऐसा कभी होता नहीं। विद्यार्थी जगत की स्थिति तो बहुत विचित्र है। अधिकांश किशोर व युवावर्ग को घूमना-फिरना, मजाक-मस्ती, नाच-गाना, खाना-पीना, खेल और सोशल मीडिया में समय बरबाद करना अच्छा लगता है। फिर पढ़ाई में मन बहुत कम ही लगता है। बावजूद इसके उनकी चाह अंतहीन है। उन्हें वह सब-कुछ चाहिए, जो बाजार और विज्ञापनों में दिखता है। आज का युवा बहुत जल्दी हताश और निराश भी हो रहा है। कम सुविधाओं के बीच अधिक परिश्रम कर सफल होने की सोच ही उनकी विचारधारा में नहीं है। जिन्हें थोड़ा भी कुछ कम मिलता है, वे गुस्सेल हो रहे हैं अथवा मनोरोग के शिकार बनकर जीवन तबाह कर रहे हैं। ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि चाहे व्यावहारिक जगत हो या आध्यात्मिक, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। जीवन की उन्नति के लिए सही मार्ग और अथक पुरुषार्थ चाहिए। सद्विचारों और सत्कार्यों से मनुष्य अपने सद्भाग्य का निर्माण स्वयं करता है। हमारा वर्तमान हमारे भूतकाल का प्रतिफलन है। उसी प्रकार हमारा भविष्य हमारे वर्तमान का प्रतिफल होगा। किसी को भी किसी बात का दोष देना गलत है। निमित्त कोई भी हो सकता है, मूल कारण तो हम स्वयं ही हैं। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि बुधवार को धर्मसभा में चेन्नई, बेंगलूरु, हिरियूर, चलकेरे, हुब्बली, धारवाड़, गंगावती आदि अनेक संघों के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। गणि पद्मविमलसागरजी ने सामूहिक तपोत्सव के सभी तपस्वियों को मंत्रपाठ कर आशीर्वाद देते हुए प्रतिज्ञा दी।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में चेन्नई अणुव्रत समिति के तत्वावधान में अणुव्रत क्रिएटिविटी कांटेस्ट 2025 की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन साध्वी उदितयशाजी के सान्निध्य में साहुकारपेट तेरापंथ भवन में किया गया। समिति के अध्यक्ष व राष्ट्रीय सहसंयोजिका सुभद्रा लुणावत ने स्वागत किया।

मंत्री एवं एसीसी तमिलनाडु राज्य प्रभारी कुशल बाँठिया ने प्रतियोगिता की जानकारी दी। इस जिला स्तरीय 'संविधान की धार, मर्यादाओं का हो आधार' मुख्य विषय पर आधारित प्रतियोगिताओं में 44 स्कूलों से लगभग 350 बच्चों ने गायन एकल, गायन समूह, भाषण, कविता, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 6-8 और 9-12 के ग्रुपों में छात्रों ने भाग लिया।

मुमुक्षुद्वय प्रीत कोठारी व प्रेक्षा कोचर का यशवंतपुर में हुआ मंगल भावना समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में दो मुमुक्षु प्रीत कोठारी व प्रेक्षा कोचर का सम्मान किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि यह अभिनन्दन त्याग, वैराग्य, संयम का अभिनन्दन है। यह त्याग, संयम आत्मा के प्रकाश को उजागर करता है।

आत्मा के प्रकाश से ही सम्यक्त्व का बीज अंकुरित होता है। त्याग, वैराग्य के पथ पर बढ़ना बहुत बड़ी साधना है। साध्वी डॉ. सरलयशाजी व ऋषिप्रभाजी ने दोनों के संयम पथ पर आगे बढ़ने की मंगल कामना करते हुए श्रावकों से आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति को नित्य यह भावना स्वयं के लिए करनी चाहिए कि हम भी संयम पथ का राही बने। तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष विजयराज बरड़िया ने स्वागत करते हुए मुमुक्षुओं के शुभ आध्यात्मिक भविष्य की मंगलभावना की। महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष मीना दक ने कहा कि मुमुक्षु वैराग्य के रंग से जीवन को संवारने वाले कलाकार हैं। मुमुक्षु प्रेक्षा ने गीत के माध्यम से अपने भावों को व्यक्त किया तथा मुमुक्षु प्रीत ने कहा कि इस संसार में व्यक्ति अकेला आता है और अकेला ही जाता है, जो व्यक्ति अपने जीवन में धर्म का आचरण करता है वही संयम पथ पर अग्रसर हो सकता है। दोनों मुमुक्षुओं की दीक्षा 3 सितम्बर को अहमदाबाद में आचार्य महाश्रमणजी के सान्निध्य में होगी। उपाध्यक्ष कुन्दन गन्ना व महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया ने मुमुक्षुओं का परिचय दिया। तुलसी चेतना केन्द्र के अध्यक्ष मदन बोराणा, उपासक महेन्द्र दक, गजेन्द्र कोचर एवं गगन बरड़िया, तेयुप के मंत्री अभिषेक पोखरना ने भी विचार प्रस्तुत किए। सभा के मंत्री अनिल दक ने समारोह का संचालन करते हुए दीक्षार्थी के साथ जुड़े संस्मरणों को बताया। सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, कैलाश बोराणा, सुरेश पितलिया, चातुर्मास प्रायोजक बोराणा परिवार, महिला मंडल, तेयुप पदाधिकारियों ने साहित्य एवं जैन पट्ट द्वारा मुमुक्षुओं का सम्मान किया।

इंद्रियों का प्रयोग आत्मिक सुख की प्राप्ति के लिए हो : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति तो हो सकती है लेकिन हमारी इच्छाओं की पूर्ति कभी नहीं हो सकती। इच्छाओं की कोई सीमाएं

नहीं है, यह तो आकाश के समान असीमित है। हमारी इच्छाएं एक के बाद एक सिर उठाती है जिसको पूरी करने में हम दबाव में आ जाते हैं। हम हमारी पांचों इंद्रियों का प्रयोग संसार सुख की प्राप्ति में लगा रहे हैं जबकि हमें इनका उपयोग आत्मिक सुख की प्राप्ति के लिए करना चाहिए, जिससे हमारी आत्मा जो इस भव भ्रमण में फंसी हुई है उससे बाहर निकल सके।

संयम रखने वाले मनुष्य को सब कुछ हासिल होता है : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि धैर्यवान मनुष्य को ही मिलते हैं अच्छे परिणाम। मनुष्य को कुछ कामों में धैर्य रखना चाहिए। हर चीज में आतुर होना उचित नहीं है। हर जगह अगर जल्दबाजी करोगे तो अच्छा परिणाम नहीं मिलेगा। लोग गुरु से कोई प्रश्न पूछते हैं तो चाहते हैं कि तुरंत उत्तर मिल जाए लेकिन इन कार्यों में किसी प्रकार की जल्दबाजी से कुछ हासिल नहीं होगा। लोग धर्म, ध्यान करना शुरू करते हैं और तुरंत परिणाम की उम्मीद करने लगते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। भगवान की प्रार्थना कर रहे हैं तो शांति से करना चाहिए। संयम रखने वाले मनुष्य को सब कुछ हासिल होता है, लेकिन जल्दबाजी करने वाला

मनुष्य कुछ नहीं पाता। अगर गुरु से कुछ चाहिए तो उसके लिए अनुकूल परिस्थिति का इंतजार करना चाहिए। धैर्यवान मनुष्य को जीवन में सब कुछ मिल जाता है। धैर्य नहीं होने से मनुष्य का मन विचलित होता है और उसके बाद दुख आता है। संतश्री ने कहा कि सब कुछ होने के बाद भी थोड़ा और का चक्कर छोड़ देना चाहिए। हर चीज समय के साथ होनी चाहिए। समय निकलने के बाद कोई लाभ नहीं होगा। धर्म व ध्यान भी अगर समय पर किया तो ही अच्छे परिणाम मिलेंगे। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया। संघ के संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने धन्यवाद दिया।

सम्यकष्टि होगी तो सही दिशा, सही मार्ग मिलेगा : साध्वी मलयाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी मलयाश्रीजी ने कहा कि सम्यकदृष्टि आत्मा चाहे जिस गति में हो, वो पापकर्म नहीं करती है, बल्कि पापभीरु होती है। सम्यकदृष्टि होगी तो सही दिशा, सही मार्ग मिलेगा। स्वआत्मा की तरह अन्य जीवों के साथ समानता का व्यवहार करते हैं। साध्वीश्री दिव्ययशा जी ने कहा कि अनादि अनंतकाल से जीवात्मा ने भोजन को प्राथमिकता दी, भजन को नहीं।

हमें अपनी संस्कृति के अनुसार कार्य करना चाहिए। शरीर के लिए भोजन और आत्मा के लिए भजन आवश्यक है। यदि आत्मा को पुष्ट व मजबूत बनाना है तो पहले भजन और बाद में भोजन होना चाहिए। भजन करने से शरीर की भूख मिट जाती है।

संतों के प्रवचन एवं जिनवाणी हमारी आत्मा की भूख का शमन करने वाली है। महासती कंचनकंवर जी ने मंगलपाठ सुनाया। संघ के मंत्री पदमचन्द बोहरा ने संचालन किया।

पुण्य को बढ़ाता है और दुखों को मिटाता है महापूजन : आचार्य प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में 10 अगस्त को पैलेस ग्राउंड गेट नम्बर 6 सभागार में होने वाले पार्श्व-पद्मावती महापूजन की आमंत्रण पत्रिका का लेखन कार्य किया गया। सभी लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रथम पत्रिका को मोली बांधकर स्वास्तिक बनाकर परमात्मा चिंतामणि पार्श्वनाथ परमात्मा एवं मां पद्मावती के नाम लिखकर अर्पण की। आचार्यश्री ने कहा की पार्श्व पद्मावती महापूजन भक्तों को भक्ति से जोड़ने का श्रेष्ठ माध्यम है। संकट में जब कोई नहीं होता है उस समय जो साथ देता है वह महत्वपूर्ण होता है। कठिन परिस्थितियों में हमें दूसरों की सहायता करनी चाहिए। पुण्य मार्ग पर सदैव आगे बढ़ते रहना चाहिए। दुनिया अच्छे समय के साथ रहती है। बुरे समय में सब साथ छोड़ देते हैं। पूजा का पुण्य फल सांसारिक कष्टों के कर्मों को मिटा देता है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.